डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
23 मई 2025 शुक्रवार
आज का मौसम
36 अधिकतम
27 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-3

मुनीर खुद को किंग घोषित कर दें: इमरान

इस्लामाबाद। पाकिस्तानीआर्मी जनरल मुनीर को भारत के साथ हालिया संघर्ष में उनकी भूमिका के लिए फील्डमार्शल के पद पर पदोन्नत करने की आलोचना जारी है। वह देश के इतिहास में इस पद परपदोन्नत होने वाले दूसरे

टॉप मिलिट्री ऑफिसर बन गए हैं। इस पर जेल में बंद पाकिस्तानके पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने आसिम मुनीर को लेकर तंज कसा व कहा, सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर को फील्ड मार्शल कीजगह खुद को राजा की उपाधि दे देनीचाहिए थी, क्योंकि पाकिस्तान में इस वक्त जंगलराज है। इमरान अगस्त 2023 से कई मामलों केचलते जेल में हैं। जब वे पाकिस्तान के प्रधानमंत्री थे, उस वक्त भी आसिम मुनीर के साथ उनके संबंधों में तनातनी देखी जारही थी।

बांग्लादेश में फिरपरिवर्तन के आसार,युनुस पद छोड़ेंगे

ढाका। पड़ोसी मुल्कबांग्लादेश में फिर बड़ा फेरबदल होने के आसार नजर आने लगे हैं। खबरें हैं कि देशकी अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस इस्तीफा दे सकते हैं। उन्होंने मौजूदा स्थिति को देखते हुए पद सेइस्तीफा देने की इच्छा जताई है। बीबीसी बांग्ला की रिपोर्ट के मुताबिक, मोहम्मद यूनुस का कहना है कि देश कीमौजूदा स्थिति के मद्देनजर उनका राजनीतिक पार्टियों के साथ मिलकर काम करना मुश्किलहोता जा रहा है।

उन्होंने ढाका में एडवाइजरी काउंसिल की बैठक में देश के हालात परनाराजगी जताई। छात्र नेता और नेशनल सिटीजन पार्टी के प्रमुख नाहिद इस्लाम ने कहाकि हम सुबह से यूनुस के इस्तीफे की खबर सुन रहे हैं, इसलिए मैंउनसे चर्चा करने गया था, तो उन्होंने कहा कि वह बंधक जैसा महसूस कर रहे हैं और मौजूदास्थिति में वह काम नहीं कर सकते।

मास्को में भारतीय सांसद लंबे समय आसमान में फंसे रहे, हवाईअड्डे पर मची रही अफरातफरी

डिप्लोमैटिक स्ट्राइक पर गए भारतीय सांसदों के हवाई जहाज पर ड्रोन अटैक से खलबली

नई दिल्ली, एजेंसी।

ऑपरेशन सिंदूर पर रूस गया भारत के सांसदों का प्रतिनिधिमंडल मॉस्को एयरपोर्ट पर ड्रोन अटैक की चपेट में आते आते बच गया। इस विमान में डीएमके सांसद कनिमोझी सवार थी। ड्रोन अटैक की वजह से कई काफी समय तक ये विमान मॉस्को एयरपोर्ट पर चक्कर लगाता रहा फिर कई घंटे की देरी की बाद और सुरक्षा स्थितियों के आकलन के बाद आखिरकार ये विमान मॉस्को एयरपोर्ट पर उतरा। ऑपरेशन सिंदूर पर दुनिया के देशों को भारत का रुख बताने के लिए भारत की ओर से 6 प्रतिनिधिमंडल अलग अलग देश गए हैं। भारत की ओर से जो प्रतिनिधिमंडल रूस गया है उसमें डीएमके सांसद कनिमोझी, समाजवादी पार्टी के सांसद राजीव राय, आरजेडी सांसद प्रेमचंद गुप्ता, कैप्टन बिजेश, अशोक कुमार मित्तल और राजदूत मंजीव सिंह पुरी शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि सांसद कनिमोझी के नेतृत्व में सांसदों का प्रतिनिधिमंडल 22 मई को रूस के लिए रवाना हुआ था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अब यह बात सामने आई है कि कनिमोझी को ले जा रहे विमान को मॉस्को एयरपोर्ट पर उतरने में दिक्कत हुई है। यूक्रेन ने कथित तौर पर रूस के मॉस्को एयरपोर्ट पर ड्रोन हमला किया। इसके बाद मॉस्को एयरपोर्ट पर अफरातफरी की स्थिति मच गई और लैंडिंग का इंतजार कर रहे विमानों को एयरपोर्ट पर उतरने की अनुमति अस्थायी रूप से नहीं दी गई। मॉस्को एयरपोर्ट ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों उड़ानों को कई घंटों के लिए निलंबित कर दिया गया। इसके कारण सांसद कनिमोझी करुणानिधि को ले जा रहा विमान उतर नहीं सका और उसे हवा में चक्कर लगाता रहा। आखिरकार, काफी देरी के बाद विमान सुरक्षित उतर गया। बताया जाता है कि लैंडिंग के बाद रूस में भारतीय दूतावास के अधिकारियों ने सर्वदलीय सांसदों के प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया और उन्हें सुरक्षित रूप से उनके होटल तक पहुंचाया। रूस की अपनी यात्रा पूरी करने के बाद यह शिष्टमंडल स्लोवेनिया, ग्रीस, लातविया और स्पेन की यात्रा करेगा।

डेलीगेशन थिंक टैंक से करेगा मुलाकातें

यह भारतीय सांसदों के कूटनीतिक अभियान के तहत तीसरा डेलिगेशन है जो रूख पहुंच गया है। इसका नेतृत्व डीएमके सांसद कनिमोझी कर रही हैं। उन्होंने कहा कि हम रूस के पूर्व प्रधानमंत्री (मिखाइल येफिमोविच) फ्रांडकोव से भीमिलेंगे। हम थिंक टैंक और रूसी मीडिया के लोगों से भी मिलेंगे। हम बताएंगे कि भारत में क्या हुआ है और आतंकवाद से लड़ने के लिए हमें कैसे एकसाथ आना है। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार ने सांसदों के सात समूहों को दुनिया के 33 देशों में भेजा है जो वहां पहुंचकर पाकिस्तान की करतूतों का खुलासा करेंगे और भारत के आपरेशन सिंदूर की जानकारी देंगे।

भारत से बम या लोग नहीं आते, सांसद ने खोली शहबाज की पोल

अब पाकिस्तान के सांसद उमर फारूक ने भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद अपने देश की सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों की सार्वजनिक रूप से जमकर लताड़ा। उन्होंने बलूचिस्तान को लेकर भी अपनी सरकार की पोल खोल दी है, व कहा कि बलूचिस्तान में बम भारत से नहीं आ रहे हैं। वहां हमला करने वाले हमारे अपने लोग ही हैं। उनके बयानों ने पाकिस्तान के झूठे दावों की पोल खोल दी और उसके प्रोपेगैंडा को भी उजागर कर दिया। पाकिस्तानी संसद ने पाकिस्तान की रक्षा प्रभावशीलता और सैन्य क्षमता पर भी गंभीर सवाल उठाए व कहा- भारत इतनी गहराई तक घुसकर हमें कैसे मार सकता है? भारत ने चकलाला एयरबेस पर भी बमबारी की। हमारी सेना का जीएचक्यू पास में ही था। कोई नहीं पूछ रहा कि भारत इतनी गहराई तक कैसे घुस आया। इसके बाद उन्होंने खुली चुनौती देते हुए कहा, अगर मेरी बातों से कोई नाराज होता है, तो उसे आकर इन मुद्दों पर सीधे चर्चा करनी चाहिए। दरअसल, बलूचिस्तान में लंबे समय से बलूच अलगाववादी समूहों प्रदर्शन कर रहे हैं। ये इस क्षेत्र के विशाल प्राकृतिक संसाधनों पर अधिक स्वायत्तता और नियंत्रण की मांग कर रहे हैं। अब फारूक के बयान से पाकिस्तान के झूठ का पर्दाफाश हो गया है।

पाक के झूठ का पर्दाफाश

उमर फारूक के बयान से पाकिस्तान के झूठ का पर्दाफाश हो गया है। दरअसल, पाकिस्तान ने आधिकारिक तौर पर भारत के सैन्य अभियानों को कमतर बताया है। उसका दावा है कि उसे छुटपुट नुकसान ही हुआ है, जबकि सच्चाई कुछ और ही है। विदेशी मीडिया हाउस भी सैटेलाइट तस्वीरों के माध्यम से पाकिस्तान को हुए भारी नुकसान को उजागर कर चुके हैं। उमर फारूक के बयानों से पता चलता है कि पाकिस्तान सच्चाई को छिपाने की कोशिश कर रहा है।

पाक जासूस के आरोप है सलाखों के पीछे

जासूस ज्योति से पूछताछ के बाद पुलिस टीम की लौटी खाली हाथ

उज्जैन , दोपहर मेट्रो।

यू-ट्यूबर ज्योति मल्होत्रा के पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से संबंध होने की जानकारी सामने आने के बाद तथा उसके एक वीडियो को लेकर सर्तक पुलिस की पांच सदस्यीय टीम, ज्योति से पूछताछ के लिए हिसार से लौट आई है। हालांकि, कहा जा रहा है कि यह टीम वहां से खाली हाथ लौटी है। पुलिस को पूछताछ में कोई खास जानकारी हासिल नहीं हो सकी। दरअसल जासूसी के आरोप में पकड़ी गई यू-ट्यूबर ज्योति मल्होत्रा एक साल पहले उज्जैन और इंदौर गई थी। उसने इसके वीडियो यूट्यूब पर शेयर किए, लेकिन उज्जैन रेलवे स्टेशन के बाद का एक भी वीडियो अपलोड नहीं किया। उज्जैन पुलिस की पांच सदस्यीय टीम मंगलवार को पूछताछ के लिए हिसार गई थी। टीम वहां दो दिन रुकी और पूछताछ के बाद देर रात वापस लौट आई। बताया जाता है कि अब टीम अन्य सोर्स से जानकारी जुटा रही है।

चार दिन के लिए पुलिस रिमांड पर भेजा गया

पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में गिरफ्तार ज्योति मल्होत्रा को पांच दिन की रिमांड पूरी होने के बाद उसे वीरवार को अदालत में पेश किया गया। अदालत में सिविल लाइन पुलिस ने बताया कि आरोपी के मोबाइल और लैपटॉप की फोरेंसिक रिपोर्ट अभी तक नहीं मिली है। दूसरे राज्यों की पुलिस ने भी हमसे से संपर्क किया है। जांच में साक्ष्य जुटाने के लिए हमें सात दिन का और रिमांड चाहिए। 40 मिनट तक दोनों पक्षों की जिरह सुनने के बाद सिविल जज ज्युडिशियल मजिस्ट्रेट सुनील कुमार ने ज्योति मल्होत्रा को चार दिन के लिए और पुलिस रिमांड पर भेज दिया।

पाक को एक अरब डॉलर देने का मामला

आईएमएफ ने भारी कर्ज को जायज बताया,भारत नाराज

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तानतनाव के बीच अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने पाकिस्तान को कर्ज देने के फैसले को उचित बताने की कोशिश की है। दरअसल आईएमएफ ने 9 मई को पाकिस्तानको अतिरिक्त 1 अरब डॉलर कर्ज की मंजूरी दी थी। अब इस बेलआउटपैकेज का बचाव करते हुए उसने कहा कि

उसका बोर्ड इस बात से संतुष्ट है कि पाकिस्तानने लोन पाने के सभी नियमों का पालन किया है। यह बयान ऐसे समय में आया है, जब आतंकवाद को पनाह देने वाले पाकिस्तानके राहत पैकेज का भारत ने विरोध किया है. भारत ने आईएमएफ से पाकिस्तान को लोननहीं देने की अपील की थी, क्योंकिपाकिस्तान इन पैसों का इस्तेमाल आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए कर सकता है। कुछदिन पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी कहा था कि पाकिस्तान इस लोन में से 14 करोड़ मसूद अजहर को देगा। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान को 1 अरब डॉलर का नया लोन, सितंबर 2024 में अपूर्व विस्तारित फंड सुविधा केतहत सहायता पैकेज का हिस्सा है, जिसका कुल अमाउंट 7 अरब डॉलर है।

खूंखार नक्सली को ढेर करने के बाद जवानों ने सड़कों पर मनाया जश्न

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में माओवादियों के प्रमुख खूंखार बसव राजु और उसके कई साथियों को मार गिराने वाले सुरक्षाबल बीती देर रात जब जंगल से वापस शहर लौटे तो देर रात इन्होंने अपनी कामयाबी का जश्न मनाया और बरसते पानी में जमकर नाचे। नारायणपुर में डीआरजी जवानों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर जश्न मनाया। तेज बारिश भी इस उत्सव में बाधा नहीं डाल पाई। जवान बीच सड़क में उतर कर भारत माता के जयकारे लगाए।

हीटवेव का अलर्ट जारी

मौसम नहीं बदलेगा, कई मौतें आज भी अंधड़ का अलर्ट

नई दिल्ली। मौसम विभाग ने आज भी देश भर केसभी केंद्र शासित प्रदेशों में एक साथ आंधी-बारिश और हीटवेव का अलर्ट जारी कियाहै। महाराष्ट्र और गोवा के तटीय इलाकों में बहुत भारी बारिश के साथ ही हीटवेव कारेड अलर्ट भी है।, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, गुजरात कर्नाटक जैसे

राज्यों मेंभारी बारिश के साथ हीटवेव का यलो अलर्ट है। हिमाचल में ओले गिरने की चेतावनी जारीकी गई है। राजस्थान के 19 जिलों में आंधी-बारिश और पश्चिमी जिलों में धूलभरी आंधी की चेतावनीजारी की गई है। उधर उप्र में आंधी-बारिश से जुड़ी घटनाओं में 58 जनके राजस्थान में दो लोगों कीमौत हो गई नोएडा में 80 किमी की स्पीड से हवा चली।मप्र में भी हालात कल जैसे हीरहने के आसार हैं। बीती रात भी भोपाल समेत कई जिलों में आंधी-बारिश की वजह सेभोपाल, इंदौर, रायसेन में कई पेड़ उखड़ गए थे।राज्य के ऊपर से गुजर रहे स्ट्रॉन्ग सिस्टम की वजह से अगले कुछ दिन ऐसा ही मौसम रहसकता है।

खुलासा: सहमे यात्री चीखते रहे पाक ने नहीं खोला एयरस्पेस

नई दिल्ली, एजेंसी।

गत दिवस दिल्ली से श्रीनगर जारही इंडिगो की एक फ्लाइट जब ओलावृष्टि के कारण भीषण टर्बुलेंस (हवा में झटकों) कीचपेट में आई थी तो इस दौरान पायलट नेपाकिस्तान से उसका एयरस्पेस इस्तेमाल करने की इजाजत मांगी थी लेकिन पाकिस्तान नेमना

कर दिया। यह बात अब सामने आई है। इस विमान में दो सौ से ज्यादा यात्री सवार थेऔर सभी बदहवास थे। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने सूत्रों के हवाले से बताया कि इंडिगोफ्लाइट जब अमृतसर के ऊपर से गुजर रही थी, तब पायलट ने हल्का टर्बुलेंसमहसूस किया। उन्होंने लाहौर एयर ट्रैफिक कंट्रोल से कांटेक्ट किया और खराब मौसमसे बचने के लिए पाकिस्तान के एयरस्पेस में घुसने की परमिशन मांगी। मगर लाहौर एटीसीने साफ मना कर दिया।

सूचना: तकनीकी कारणों से आज दोपहर मेट्रो का अंक 6 पेज का

मेट्रो एंकर जब तक सिक्युरिटी क्लियरेंस मिलेगा,तब तक कार्यकाल पूरा हो चुका होगा

34सौ करोड़ के हवाई महल में सफर नहीं कर सकेंगे ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के लिए कतर ने जो बोइंग 747-8 जंबो जेट गिफ्ट दिया है,उसका इस्तेमाल ट्रंप नहीं कर पाएंगे। हालांकि अमेरिका में इसे एयर फोर्स वन के तौर पर इस्तेमाल किया जाएगा। 3400 करोड़ रुपए की कीमत वाले इस लग्जरी प्लेन को फ्लाइंग पैलेस या उड़ता महल कहा जाता है। रक्षा मंत्री पीट हेग्सेथ ने कहा कि कतर सरकार से किसी भी अमेरिकी राष्ट्रपति को मिलने वाला अब तक का सबसे महंगा गिफ्ट है।

दरअसल, कतर सरकार ने ट्रम्प को इस प्लेन का इस्तेमाल करने से पहले सिक्योरिटी क्लियरेंस का इंतजार करना होगा, जिसमें 3 से 4 साल लग सकते हैं। ऐसे में मुमकिन है कि ट्रम्प राष्ट्रपति रहते इसका इस्तेमाल नहीं कर पाएं। ट्रम्प हाल ही में मिडिल ईस्ट दौरे के दूसरे दिन कतर पहुंचे थे। यहां उन्होंने कतर सरकार के साथ करीब 100 लाख करोड़ रुपए (1.2 ट्रिलियन डॉलर) की डील की थी। ट्रम्प ने बाद में मीडिया से कहा था कि कतर हमें एक गिफ्ट दे रहा है। अगर हम इसे

स्वीकार नहीं करेंगे तो हम मूर्ख इंसान होंगे।

कारोबारी डील-उल्लेखनीय है कि ट्रम्प का कारोबार मिडिल ईस्ट में फैला है। हाल ही में उनकी कंपनी ने कतर में एक नए गोल्फ रिसॉर्ट की घोषणा की है, जो कतर सरकार के स्वामित्व वाली कंपनी के साथ साझेदारी में बन रहा है। ऐसे में इस उपहार को हितों के तौर पर भी देखा जा रहा है।

हालांकि कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल थानी ने कहा कि यह प्रस्ताव 'मित्र देशों के बीच होने वाली एक सामान्य बात है'। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि लोग इस उपहार को रिश्वत क्यों मान रहे हैं, या कतर द्वारा ट्रंप प्रशासन को इंफ्लुएंस करने का एक तरीका क्यों मानते हैं ?मैं आशा करता हूं कि अमेरिका के लोग और यहां तक कि वहां के नेता भी हमें एक मित्र, एक साझेदार और एक विश्वसनीय साझेदार के रूप में देखेंगे, क्योंकि जब भी हमारी जरूरत पड़ी है, हम हमेशा अमेरिका के लिए खड़े रहे हैं।'

बोइंग की विशेषताएं?

बताया जाता है कि इसकी लंबाई 76.3 मीटर, जो एयरबस 380 से भी लंबा है। ऊपरी डेक वीवीआईपी बैठकों, निजी सुइट और ऑफिस स्पेस के लिए, जबकि नीचे की डेक बैठने और अन्य सुविधाओं के लिए है। इसमें अत्याधुनिक नेविगेशन और एवियोनिक्स सिस्टम है। एक बार ईंधन भरने के बाद 15,000 किलोमीटर से ज्यादा दूरी तक उड़ान भर सकता है इसमें नेविगेशन सिस्टम है, काउंटरमेजर्स इंफ्रारेड जैमर लगे हैं तथा यह विमान जैमिंग तकनीक और न्यूक्लियर अटैक सर्वाइवल सिस्टम से लैस किया जाएगा।

धूम्रपान निषेध दिवस पर कायस्थ समाज लगाएगा फोटो प्रदर्शनी

दोपहर मेट्रो, भोपाल।

विश्व धूम्रपान निषेध दिवस 31 मई के अवसर पर कायस्थ समाज की अग्रणी संस्था कायस्थम दो दिवसीय फोटो प्रदर्शनी 30 एवं 31 मई को शिवाजी नगर के दुष्यंत संग्रहालय में आयोजित करेगा। कायस्थम द्वारा अपने सदस्य शरद श्रीवास्तव के छायाचित्रों की फोटो प्रदर्शनी नशा छोड़ो, घर को जोड़ो शीर्षक के तहत लगाई जाएगी। फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल 30 मई को शाम 4 बजे करेंगे। इस अवसर पर विधायक सबनानी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। उक्त जानकारी कायस्थम की सचिव डॉ.रश्मि सक्सेना ने दी। उन्होंने बताया कि शरद श्रीवास्तव की यह 14 वीं फोटो प्रदर्शनी है। इसके पूर्व वरिष्ठजनों, दिव्यांगजन और नशा मुक्ति पर भोपाल इंदौर उज्जैन होशंगाबाद आदि स्थानों पर वे प्रदर्शनी लगा चुके हैं। छायाचित्रों की दो दिवसीय नशा छोड़ो ट्ठघर को जोड़ो फोटो प्रदर्शनी आम जनता में नशे के प्रति जनजागरूकता लाने के लिये लगाई जा रही है। प्रदर्शनी 30– 31 मई को शाम 4 बजे से दर्शकों के लिए खुली रहेगी।

दुर्दशा का शिकार प्राचीन धरोहरे

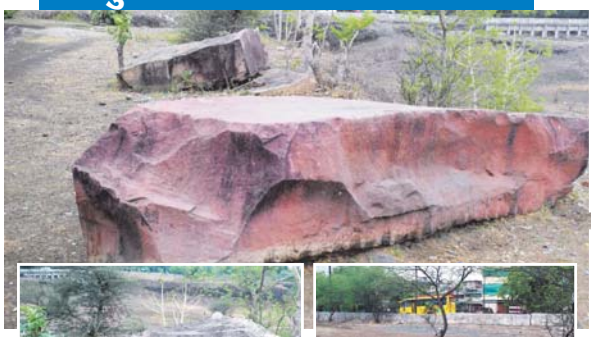

भोपाल के अयोध्या नगर मैदान में काफी समय से प्रशासन की लापरवाही के कारण प्राचीन प्रतिमाओं की हालत बेहाल है।

मंत्री विजय शाह इन दिनों सार्वजनिक कार्यक्रम से बनाए हुए हैं दूरी

शाह समर्थक व बेटा हुए मुखर क्या प्लान बी पर हो रहा काम ?

भाजपा इस्तीफे के मामले में अब नरम पड़ चुकी है

दोपहर मेट्रो, भोपाल।

भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी को आतंकवादियों की बहन बताकर मुसीबत में फंसे मप्र के जनजातीय कार्यमंत्री विजय शाह क्या %प्लान बी% पर भी काम कर रहे हैं? यह सवाल उठने लगा है और लोग दिलचस्पी से अपने प्रभाव क्षेत्र खंडवा में शाह व उनके परिवार की गतिविधि देख रहे हैं। शाह की गिरफ्तारी पर सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम रोक लगा दी है। लिहाजा इस राहत के बाद उनके समर्थक मुखर होने लगे हैं। यद्यपि विजय शाह अभी जनता से कार्यक्रमों से दूरी बनाए हुए हैं। जानकार सूत्रों का कहना है कि इस्तीफे की स्थिति में शाह अपना राजनीतिक उत्तराधिकारी भी बनाना चाहते हैं, वे बेटे को टिकट भी दिलाने की मांग कर सकते हैं। हालांकि अव्वल तो वे मंत्री पद छोडने को तैयार नहीं हैं क्योंकि उनका कहना है कि वे अपने कहे पर कई बार माफी मांग चुके हैं। भाजपा भी इस्तीफे के मामले में अब नरम पड़ चुकी है लेकिन हाइकमान कर्नल सोफिया पर अमर्यादित बयानबाजी से नाराज है। इसके चलते शाह तीन दिन पहले कैबिनेट बैठक में भी शामिल नहीं हुए।

सोशल मीडिया पर जोर-शोर से चल रहा बचाव कैंपेन

अलबत्ता उनके समर्थक सोशल मीडिया पर उनके बचाव में कैंपेन चला रहे हैं। बयान पर हंगामा मचने के बाद मंत्री विजय शाह 14 मई को अपने विधानसभा क्षेत्र हरसूद और खंडवा में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल हुए। इसके बाद 15 मई से वे कहीं भी नजर नहीं आए। कहा जा रहा है कि 15 की रात को सोशल मीडिया पर एक फोटो वायरल हुई कि मंत्री विजय शाह पत्नी के साथ सचखंड एक्सप्रेस से भोपाल के लिए रवाना हुए हैं। लेकिन, शाह भोपाल में न तो बंगले पर नजर आए और न ही अपने सरकारी ऑफिस में। दूसरी तरफ उनके समर्थक सोशल मीडिया पर कैंपेन चलाकर शाह को देशभक्त बताते हुए उनकी सैनिकों के साथ तस्वीरें शेयर कर रहे हैं। कुछ वीडियो संदेश में दिये जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा 16 मई को सुनवाई 19 मई तक टलने के बाद 18 मई को विजय शाह के बेटे दिव्यादित्य शाह ने अपने क्षेत्र के सैनिकों का सम्मान किया। दिव्यादित्य खंडवा जिला पंचायत के उपाध्यक्ष भी हैं। हालांकि शाह मामले में एसआईटी 28 मई को स्टेटस रिपोर्ट कोर्ट में दाखिल करेगी।

जांच जारी, बयान की तैयारी

इधर सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर बनी स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम ने विजय शाह के बयान मामले की जांच शुरू कर दी है। एसआईटी में शामिल सागर आईजी प्रमोद कुमार वर्मा, डीआईजी कल्याण चक्रवर्ती और वाहिनी सिंह ने इस मामले से जुड़ी फाइलें, वीडियो सहित तमाम दस्तावेज स्थानीय पुलिस से लेकर जांच शुरू की है। हालांकि, टीम को अब तक क्या मिला? इस बारे में एसआईटी में शामिल अफसर और स्थानीय पुलिस बोलने से बच रहे हैं। शाह के बयान के मामले की जांच करने के लिए बनाई गई एसआईटी को अपनी स्टेटस रिपोर्ट 28 मई को सुप्रीम कोर्ट में पेश करनी है। ऐसे में इस मामले से जुड़े साक्ष्य, गवाह और वीडियो के आधार पर एसआईटी अपनी पूरी रिपोर्ट बनाने में जुटी हुई है।

इसरो का मैनिट में स्थापित एस-टीआईसी करेगा सेंट्रल इंडिया को रिप्रजेंट

मैनिट में इसरो ने की संगोष्ठी वैज्ञानिकों ने साझा की तकनीकें

दोपहर मेट्रो, भोपाल।

इसरो द्वारा देशभर में 6 स्पेस टेक्नोलॉजी इनक्यूबेशन सेंटर (एस–टीआईसी) स्थापित किए हैं। जिसमें से एक एस–टीआईसी भोपाल स्थित मैनिट में स्थापित किया गया है। यह मप्र, छग और उप्र को कवर करेगा। मैनिट में स्थापित इस एस–टीआईसी के बारे में स्टूडेंट्स और शिक्षाविदें को जानकारी देने के उद्देश्य से मैनिट में इसरो द्वारा एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें मप्र के तकनीकी संस्थानों के लगभग 200 शिक्षाविदों और इसरो के 25 वैज्ञानिकों ने भाग लिया। संगोष्ठी में तीन तकनीकी सत्रों में इसरो के विभिन्न इकाई प्रमुखों द्वारा 15 तकनीकी बताई गईं। इस अवसर पर रिसर्च प्राब्लम स्टेंटमेंट पर आधारित एक पुस्तिका का विमोचन भी किया गया।

टीआईसी के बारे में जानकारी देते हुए इसरो के सीबीपीओ की डिप्टी डायरेक्टर निरुपमा तिवारी ने बताया कि एस–टीआईसी सेंटरों का उद्देश्य शैक्षणिक संस्थानों में अंतरिक्ष विज्ञान अनुसंधान को बढ़ावा देना, छात्रवृत्ति प्रदान करना और इनक्यूबेट स्टार्टअप को बढ़ावा देना है। संगोष्ठी का उद्घाटन इसरो के अध्यक्ष डॉ वी नारायणन ने करते हुए देश की जरूरत के अनुसार अंतरिक्ष विज्ञान में अनुसंधान का समर्थन करने के लिए शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका पर जोर दिया साथ ही उन्होंने बताया कि इसरो शैक्षणिक संस्थानों के साथ मिलकर वेबिनार आयोजित करता है, सोशल मीडिया और टीवी कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों से जोड़ता है, और अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी में रुचि जगाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम चलाता है।

बीयू में एनएसयूआई ने चस्पा किए पोस्टर, कहा- कुलगुरु लापता हैं,

पता बताने वाले मिलेगा 1100 इनाम

दोपहर मेट्रो, भोपाल।

राजधानी स्थित बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में एनएसयूआई और कुलगुरु के बीच का विवाद लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। कुलगुरू और अव्यवस्थाओं के विरोध में एनएसयूआई द्वारा धरना–प्रदर्शन किए जा रहे हैं। हालांकि इस बार एनएसयूआई ने एक अनोखा प्रदर्शन कर बीयू कुलगुरू को लापता बताया है और पता बताने वाले को 1100 रूपए ईनाम देने की घोषणा की है। भोपाल जिलाध्यक्ष अक्षय तोमर के नेतृत्व में एनएसयूआई कार्यकर्ताओं द्वारा पूरे विश्वविद्यालय में कुलगुरु लापता के पोस्टर चिपकाए गए हैं। यहां तक कि कुलगुरु को ढूंढने वाले को 1100 रूपए का इनाम भी घोषित किया गया है। ?बताया जा रहा है कि बीयू कुलगुरु प्रो. एसके जैन कुछ दिन के अवकाश पर है और चक्रवर्ती राजगोपालाचारी प्रबंधन संस्थान (सीआरआईएम) के एमचओडी विवेक शर्मा को प्रभार दिया गया है। ?मामले में बीयू कुलपति से संपर्क किया गया, लेकिन उन्होने फोन नहीं उठाया।

प्रवेश प्रक्रिया शुरू, परंतु विवि का पोर्टल शुरू नहीं हुआ है,

एनएसयूआई भोपाल अध्यक्ष अक्षय तोमर का कहना है कि विगत 7 मई से कुलगुरु लापता हैं, जबकि विश्वविद्यालय में मुख्य परीक्षाएं चरम पर है। पूरे प्रदेश में प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, परंतु विश्वविद्यालय का पोर्टल शुरू नहीं हुआ है, क्योंकि कुलगुरु लापता है। साथ ही उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन शुरू नहीं हुआ है एवं विश्वविद्यालय के सारे कार्य एवं भुगतान रुके हुए हैं। एनएसयूआई भोपाल अध्यक्ष तोमर ने कहा कि एनएसयूआई ने कुलपति का पता बताने वाले को 1100 रुपए इनाम देने की घोषणा की है। साथ ही साथ कुलसचिव को चेतावनी दी है कि यदि कुलगुरु 3 दिन में अपना प्रभार भी संभालते है, तो एनएसयूआई निजी थाने जाकर कुलगुरु की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाएगी। वहीं दूसरी ओर भोपाल जिला उपाध्यक्ष वंश कनौजिया ने कहा कि निजी महाविद्यालयों के निरीक्षण एवं संबद्धता देने की प्रक्रिया में कठिनाइयां आ रही है, क्योंकि प्रभारी कुलपति द्वारा निर्णय नहीं लिए जा रहे है।

प्रदेश के कई शहरों से सिंधी भाषी युवक-युवतियों ने लिया हिस्सा

युवा पीढ़ी तैयार हुई शिक्षक बनकर, सिंधी भाषा को आगे बढ़ाने की ठानी

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

मध्य प्रदेश सिंधी साहित्य अकादमी ने सिंधी भाषा, साहित्य और संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए पहल की है। नई पीढ़ी को सिंधी भाषा का ज्ञान देने के लिए सिंधियत की पाठशाला आयोजित की जाएगी, जिसके लिए हाल ही में दो दिवसीय सिंधी शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

लालघाटी स्थित एक निजी होटल के सभागार में आयोजित की गई, अकादमी के निदेशक राजेश कुमार वाधवानी ने बताया कि इसमें इंदौर, भोपाल, खंडवा, उज्जैन, नर्मदापुरम, विदिशा, इटारसी, सागर, जबलपुर, बैतूल, छतरपुर, डबरा, टीकमगढ़ और सुल्तानपुर से आए युवक–युवतियों ने भाग लिया। वरिष्ठ साहित्यकार खीमन यू. मूलाणी, बलू चोइथानी, भगवान बाबानी और नंदकुमार सनमुखानी ने कुल 11 सत्रों में शिक्षकों को प्रशिक्षित किया। प्रशिक्षण में सिंधी वर्णमाला, मात्राओं का उपयोग, शब्द मिलान, वाक्य विन्यास और सिंधी अंकों की जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त, शरीर के अंग, फल–फूल, सब्जियां, खाद्य पदार्थ, रंग, परिधान, सिंधी पर्व–परंपराएं, रिश्ते–नाते और सिंधी कला व संस्कृति से जुड़े वाद्य यंत्रों के बारे में भी विस्तार से बताया गया। इस कार्यशाला में प्रशिक्षित शिक्षक अब अकादमी के सहयोग से अपने–अपने शहरों में 15 दिवसीय सिंधियत की पाठशाला का आयोजन करेंगे। इसका मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी को सिंधी भाषा का आधारभूत ज्ञान प्रदान करना है, ताकि समाज की समृद्ध भाषाई और सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण और संवर्धन हो सके।

एनसीसी 'सी' सर्टिफिकेट मिले तीनों वर्षों की यात्रा साझा की

हिरदाराम नगर। पंडित दीनदयाल उपाध्याय कन्या महाविद्यालय में एनसीसी की छात्राओं को सी सर्टिफिकेट वितरित किए गए। बटालियन के विजय लश्करे ने छात्राओं को सर्टिफिकेट दिए। इस अवसर पर नवयुवक सभा के अध्यक्ष वासदेव वाधवानी और महाविद्यालय के निर्देशक पुरुषोत्तम टिलवानी विशेष रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान, छात्रा आरती नामदेव ने एनसीसी में अपने तीन वर्षों की यात्रा के प्रेरणादायक संस्मरण साझा किए। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. प्रिया बुधानी और एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट कोमल अमलानी ने छात्राओं को बधाई दी। आभार प्रदर्शन डॉ. प्रिया बुधानी ने किया, जबकि कार्यक्रम का संचालन पूनम मुखरैया द्वारा किया गया।

मेट्रो एंकर

सेवा सदन का वन विहार में जांच शिविर

101 कर्मचारियों की आंखों, दांतों की जांच

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय ने वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में वन विभाग के अधिकारी–कर्मचारियों के लिए एक विशेष नेत्र एवं दंत रोग जांच शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में कुल 101 वन अधिकारी–कर्मचारियों के नेत्र और दांतों की गहन जांच की गई, जिनमें 91 पुरुष और 10 महिला रोगी शामिल थे। नेत्र जांच के दौरान, 55 रोगियों में दृष्टि दोष पाया गया, जिन्हें आगे के उपचार या सुधारात्मक उपायों की आवश्यकता थी। गंभीर मामलों में, 12 रोगियों को ऑपरेशन के लिए सीधे सेवा सदन में रेफर किया गया। इसके अतिरिक्त, 60 रोगियों को आंखों के लिए आवश्यक ड्रॉप्स प्रदान किए गए, जबकि 45 रोगियों को निःशुल्क चश्मे वितरित किए गए। स्वास्थ्य परीक्षण में यह भी सामने आया कि 8 कर्मचारियों को मधुमेह (डायबिटीज) और 5 को उच्च रक्तचाप (ब्लड प्रेशर) की शिकायत मिली, जो नियमित जांच और उपचार के महत्व को दर्शाता है।

दंत स्वास्थ्य का जायजा- दंत रोगों की जांच में भी महत्त्वपूर्ण परिणाम सामने आए। जांच किए गए 101 रोगियों में से 28 व्यक्तियों को रूट कैनाल उपचार की सलाह दी गई, जो दांतों की आंतरिक समस्याओं को इंगित करता है। वहीं, 25 कर्मचारियों को दांत निकलवाने का परामर्श दिया गया, और शेष 48 रोगियों को अन्य प्रकार के दंत रोगों की जांच और इलाज करवाने की सलाह दी गई।

उपस्थिति और योगदान-

इस स्वास्थ्य शिविर में वन विहार राष्ट्रीय उद्यान के संचालक, वन रेंज अधिकारी श्री के.एन. शर्मा, श्री रविकांत जैन और वासदेव शर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित थे। सेवा सदन की ओर से ऑप्टोमेट्रिस्ट डी.पी. मिश्रा, सोनू शुक्ला, दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. कोमल दासवानी और अन्य स्टाफ ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं।

सीएम ने 200 करोड़ के विकास कार्यों का किया लोकार्पण-भूमिपूजन

सिवनी मालवा/नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो

- नर्मदापुरम जिले के विकास में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी : डॉ यादव
- सिवनी मालवा में खेल स्टेडियम बनाने की घोषणा की

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि नर्मदापुरम जिले की भूमि उपजाऊ एवं समृद्ध है, यहां कृषि आधारित उद्योग लगानें के लिए शासन कृत संकल्पित है। नर्मदापुरम जिले के विकास में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी। नर्मदापुरम में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित कर निवेश को प्रोत्साहित किया गया है। आने वाले समय में नर्मदापुरम जिला एक औद्योगिक विकसित जिला बनेगा। मुख्यमंत्री ने गुरूवार को सिवनी मालवा में 97.07 करोड़ के 31 कार्यों का लोकार्पण एवं 102.94 करोड के 48 कार्यों का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सीएम ने सिवनी मालवा में खेल स्टेडियम बनाने की घोषणा की। सीएम ने उपस्थित लोगो को संबोधित करते हुए कहा कि नर्मदपुरम जिला एतिहासिक एवं धार्मिक दृष्टी से महत्वपूर्ण जिला है। हमारे देश की पहचान कृषि से होती है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने किसानों, युवाओं, महिलाओं एवं श्रमिक सभी वर्ग के लिए योजनाऐं बनाई है। मप्र शासन भी गरीब वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने भारतीय सेना के पराक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना ने दुश्मनों को परास्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी संस्कृती जियो और जीने दो पर आधारित है। पूरी पृथ्वी हमारा परिवार है।

सीएम ने कहा कि हमारा प्रदेश देश के मध्य में है इसलिए हमारी जवाबदेही और जिम्मेदारी ज्यादा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश शासन ने इस बार 2600 रूपए प्रति क्विंटल के मान से किसानों से गेहूं खरीदा है। आने वाले समय में हम 05 लाख के सोलर पंप पर 90 प्रतिशत राशि का अनुदान देंगे। सोलर पंप में जो मीटर लगेगा उससे किसानों को फ्री में बिजली मिलेगी और आने वाले समय में सरकार किसानों से बिजल खरीदेगी भी। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि 26 मई को नरसिंहपुर जिले में किसान उद्योग समागम मेले का आयोजन किया जाएगा। 03 दिवसीय इस मेले में अत्याधुनिक कृषि यंत्रों का प्रदर्शन किया जाएगा। आने वाले समय में रीवा सतना और चंबल में भी ऐसे ही मेले आयोजित किये जाऐंगे। सीएम ने कहा कि शासन ने हर खेत में सिंचाई हेतु पानी पहुचाने का संकल्प लिया है। पहले प्रदेश के 07 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा भी जिसे बढ़ाकर 55 लाख हेक्टेयर में सिंचाई क्षमता विकसित कर ली गई है। आने वाले समय में 100 लाख हेक्टेयर में सिंचाई के लिए जल उपलब्ध कराया जाएगा। सीएम ने कहा कि प्रदेश सरकार खिलाडियों को प्रोत्साहित करनें में कोई कोर कसर नहीं छोड रही है। नर्मदापुरम जिले के हॉकी खिलाडी विवेक सागर को ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करनें पर 01 करोड की प्रोत्साहन राशि दी गई थी। सीएम ने कहा कि युवा वर्गों को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष 01 लाख सरकारी पदों पर भर्तियां की जाएगी। साथ ही आगामी 05 वर्षों में 2.50 लाख सरकारी पद भरे जाऐंगे।

सीएम का हैलीपैड पर हुआ आत्मीय स्वागत

नर्मदापुरम। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का गुरूवार को नर्मदापुरम जिले में आगमन हुआ। स्थानीय हैलीपैड पर प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री एवं नर्मदापुरम जिले के प्रभारी मंत्री राकेश सिहं, नर्मदापुरम विधायक डॉ सीता सरन शर्मा, नरसिंहपुर - होशंगाबाद सांसद दर्शन सिंह चौधरी, राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया, पिपरिया विधायक ठाकुरदास नागवंशी, सोहागपुर विधायक विजय पाल सिंह ने पुष्प गुच्छ भेंट कर मुख्यमंत्री डॉ यादव का आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर पूर्व राज्यसभा सांसद सुरेश पचौरी, नगर पालिका नर्मदापुरम की अध्यक्ष श्रीमती नीतू यादव, म.प्र. तैराकी संघ के अध्यक्ष पियूष शर्मा, श्रीमती प्रीति पवन शुक्ला, नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी, पुलिस महानिरीक्षक मिथलेश कुमार शुक्ला, डीआईजी प्रशांत खरे, कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना, पुलिस अधीक्षक डॉ गुरकरन सिंह एवं संबंधित अधिकारीगण उपस्थित थे।

अयोध्या जा रहे यात्रियों का विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल ने किया स्वागत

गंज बासौदा। अयोध्या में भगवान राम लल्ला की प्राण प्रतिष्ठा हो जाने के पश्चात उनके भक्त अलग अलग तरीके से दर्शनार्थ पहुंच रहे हैं उसी क्रम में विश्व हिन्दू परिषद अशोक सिंघल फाउंडेशन के तत्वावधान में रन फॉर राम यात्रा के तहत गुरू ग्राम निवासी विहिप कार्यकर्ता नरेंद्र यादव 1761 किलोमीटर लंबी सोमनाथ से अयोध्या धाम की यात्रा पर निकल गये हैं यात्रा की शुरुआत 5 मई को सोमनाथ से की है। गुरूवार को प्रातः 7 बजे बागरोद चौराहे पर पहुंचे नरेंद्र यादव और उनके सहयोगियों का विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल त्योंदा प्रखंड के कार्यकर्ताओं ने पुष्प हार पहनाकर भव्य स्वागत किया और उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित की। इसके पूर्व भी श्री यादव रामेश्वरम से अयोध्या तक 2911 किलोमीटर की यात्रा 47 दिनों में पूरी कर चुके हैं इस बार की यात्रा अधिकतम 35 दिनों में पूरी करने का लक्ष्य रखा है। गुरूवार को बागरोद चौराहे पर पहुंचे नरेंद्र यादव का स्वागत त्योंदा प्रखंड अध्यक्ष सतीश दुबे, प्रखंड सह मंत्री आकाश कुशवाहा, प्रखंड संयोजक आयुष शर्मा, प्रखंड बलोपासना प्रमुख जगदीश गुर्जर, सुनील मैना, अनुराग रिछारिया, आदर्श, कपिल, योगेंद्र, अंशुल, जस्सू आदि अनेक कार्यकर्ताओं ने किया। इस दौरान त्योंदा थाना प्रभारी बलबीर गौर अपने पुलिस बल के साथ सुरक्षा की दृष्टि से मौजूद रहे।

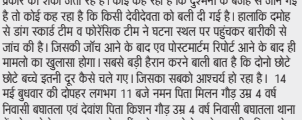

8 दिन पहले गायब बच्चों के शव जंगल में मिले, शव को जानवरों ने नोंच खाया

तेंदूखेड़ा। तेंदूखेड़ा थाना के अंतर्गत ग्राम वघातला से 4-4 साल के दो मासूम बच्चे अपने घर से 8 दिन पहले गायब हो गए थे। जिनकी पुलिस दिनरात तलाश कर रही थी। लेकिन अचानक गुरूवार की सुबह पुलिस को खबर मिली कि ग्राम से लगभग 8 किलोमीटर दूर सांभरलोट नाला दोनी पारना बीट सीमा लाईन के पास थाना तेंदूखेडा जंगल में देनो बच्चो की क्षतिग्रस्त शव बरामद हुए है। जिससे लोगो में भय के साथ दुख व्याप्त हो गया है। ग्राम के लोग अनेक प्रकार की शंका जता रहे है। कोई कह रहा है कि दुश्मनी के बजह से जान गई है तो कोई कह रहा है कि किसी देवीदेवता को बली दी गई है। हालाकि दमोह से डांग स्कार्ड टीम व फोरेंसिक टीम ने घटना स्थल पर पहुंचकर बारीकी से जांच की है। जिसकी जॉच आने के बाद एव पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मामलो का खुलासा होगा। सबसे बड़ी हैरान करने बाली बात है कि दोनो छोटे छोटे बच्चे इतनी दूर कैसे चले गए। जिसका सबको आश्चर्य हो रहा है। 14 मई बुधवार की दोपहर लगभग 11 बजे नमन पिता मिलन गौड़ उम्र 4 वर्ष निवासी बघातला एवं देवांश पिता किशन गौड़ उम्र 4 वर्ष निवासी बघातला थाना तेंदूखेड़ा दोनो अचानक घर से कहीं चले गए। दोनो बच्चे एक ही परिवार के लडके है साथ ही दोनो चचेरे भाई थे।

पीएम ने देश के 103 पुनर्विकसित अमृत स्टेशनों का किया उद्घाटन, मप्र के 6 स्टेशन शामिल

'वंदे भारत, अमृत भारत और नमो भारत ट्रेनें देश की नई गति और प्रगति को दर्शाती हैं'

- पचमढ़ी को प्रदेश का सबसे अच्छे पर्यटन केंद्र के रूप में करेंगे विकसित : सीएम यादव
- ओरछा स्टेशन यात्रियों को कराएगा भगवान राम का अनुभव
- विकसित भारत के लिए जरूरी सुरक्षा और समृद्धि

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो

नर्मदापुरम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि विकसित भारत बनाने के लिए आज देश में आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने का बहुत बड़ा महायज्ञ चल रहा है। देश की सड़कें आधुनिक हों, रेल और रेलवे स्टेशन आधुनिक हों, इसके लिए पिछले 11 साल में अभूतपूर्व गति से काम किया गया है। आज भारत अपनी ट्रेनों के नेटवर्क को भी आधुनिक कर रहा है। वंदे भारत ट्रेनें, अमृत भारत ट्रेनें, नमो भारत ट्रेनें देश की नई गति और नई प्रगति को दर्शाती है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अमृत भारत स्टेशन योजना अंतर्गत देशभर के 103 पुनर्विकसित अमृत स्टेशनों का उद्घाटन किया। इन स्टेशनों में मध्यप्रदेश के नर्मदापुरम, शाजापुर, कटनी साउथ, श्रीधाम, सिवनी और ओरछा स्टेशन शामिल हैं। इस प्रकार प्रदेश के कुल छह स्टेशनों को नई पहचान मिली है। श्री मोदी ने देश की कई अन्य रेल परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया।

नर्मदापुरम रेलवे स्टेशन पर आयोजित उद्घाटन समारोह में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, लोक निर्माण विभाग मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री राकेश सिंह, नर्मदापुरम विधायक एवं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीतासरन शर्मा , सांसद दर्शन सिंह चौधरी, सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ यादव ने भूतपूर्व सैनिकों को सम्मानित भी किया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि आज देश में 70 रूट पर वंदे भारत ट्रेने चल रही है। 34000 किलोमीटर के नए ट्रैक बिछाए गए हैं। देश में बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट पर भी तेजी से काम जारी है। 1300 से अधिक रेलवे स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन के रूप में पुनर्विकसित किया जा रहा है। विकास भी और विरासत भी के मंत्र पर 100 से अधिक अमृत भारतीय स्टेशन बनकर तैयार भी हो गए हैं। स्थानीय कला और संस्कृति के प्रतीक यह अमृत स्टेशन देश की हजारों साल पुरानी विरासत के दर्शन कराएंगे। मध्यप्रदेश का ओरछा स्टेशन यात्रियों को भगवान राम का अनुभव कराएगा। जिससे न केवल टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा बल्कि नौजवानों को रोजगार के नए मौके भी मिलेंगे।

एमपी में कृषि उत्पादन और सिंचाई का हुआ अभूतपूर्व विकास : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में बदलते दौर के बदलते भारत में मध्य प्रदेश में कृषि क्षेत्र में उत्पादन और सिंचाई क्षमता बड़ी है। उन्होंने कहा कि 1956 में मध्य प्रदेश की स्थापना हुई थी। तब से 2003 तक केवल 7 लाख हेक्टेयर में कृषि कार्य होता था, लेकिन पिछले कुछ वर्षों मैं अब 56 लाख हेक्टेयर से अधिक में कृषि कार्य हो रहा है। सरकार द्वारा फसल उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ किसानों को फसलों का उचित दाम दिलाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। साथ ही केंद्र और राज्य शासन द्वारा किसानों के सर्वांगीण विकास के लिए अनेकों जनकल्याणकारी योजनाएं प्रदेश में चलाई जा रही है, जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर हो रही है। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा कि ये बदलते दौर का बदलता भारत है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के कुशल नेतृत्व में भोपाल के भेल में वंदे भारत और मेट्रो ट्रेन के कोच बनाए जाएंगे। जिससे राज्य की प्रगति के साथ ही स्थानीय युवाओं को रोजगार का अवसर भी मिलेगा। स्वामी विवेकानंद ने 1904 में कहा था कि 21वीं सदी भारत की होगी, आज हम इस अवधारणा को साकार होता देख रहे हैं। डबल इंजन सरकार में मध्यप्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देश के 1300 से अधिक स्टेशनों का कायाकल्प किया जा रहा है। जिनमें मप्र के 6 रेलवे स्टेशनों नर्मदापुरम, शाजापुर, श्रीधाम, सिवनी, कटनी और ओरछा रेलवे स्टेशन को इस योजना के माध्यम से स्थानीय संस्कृति और विरासत से जोड़ा गया है। जिसमें इन रेलवे स्टेशनों पर सर्कुलेटिंग एरिया, नया प्रवेश द्वार, टिकट काउंटर, स्वच्छ शौचालय, आधुनिक वेटिंग हॉल, एलईडी, दिव्यांगों के लिए विशेष सुविधाएं सहित अन्य बेहतर सुविधाएं शामिल है। उन्होंने कहा कि यह योजना एक दीर्घकालीन योजना है, जिसके तहत पूरे देश में रेलवे स्टेशनों का कायाकल्प किया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य देशभर के स्टेशनों को स्वच्छ, ज्यादा आरामदेह और इस्तेमाल के लिए आसान बनाना है मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि मां नर्मदा तट पर बसी तीर्थ नगरी नर्मदापुरम को इटारसी, माखननगर और सोहागपुर को मिलाकर महानगर बनाया जाएगा। स्थानीय प्रचुर संपदाओं का सदुपयोग कर नवकरणीय ऊर्जा आधारित उद्योग स्थापित किए जा रहे हैं। नवीकरणीय ऊर्जा आधारित उद्योगों की रखी गई आधारशिला को अंजाम तक पहुंचाया जा रहा हैं। सीएम ने कहा कि पचमढ़ी को प्रदेश के सबसे अच्छे पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा।

पत्रकारिता से राष्ट्र निर्माण और समाज में सुधार के प्रयास, देश सेवा के समान

गंजबासौदा , दोपहर मेट्रो

पत्रकारिता से राष्ट्र निर्माण हो, समाज में सुधार हो और पत्रकारिता उद्देश्य पूर्ण हो, वह देश सेवा के समान है। दुर्भाग्यवश वर्तमान पत्रकारिता में ऐसा हो नहीं रहा है। वर्तमान परिदृश्य में आज पत्रकारिता लोक मंगल के अपने धर्म से विचलित होकर खुद का मंगल और समाज को विचलित कर रही है इस आपाधापी की दौड़ में राष्ट्र निर्माण और समाज कल्याण पीछे छूट चुका है और पत्रकारिता उद्देश्य विहीन बनकर रह गई है। आज की पत्रकारिता में रचनात्मकता और विश्वसनीयता का अभाव दिखाई दे रहा है।

यह कहना है वरिष्ठ पत्रकार एवं माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय में प्रोफेसर शिवकुमार विवेक का। विवेक शरद स्मृति न्यास द्वारा गुरुवार को बरेठ रोड स्थित दादजी प्लाजा में शरद स्मृति न्यास द्वारा नारद जयंती पर आयोजित व्याख्यान माला में मुख्य वक्त के रूप में उपस्थित थे ।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिवकुमार विवेक ने कहा कि पत्रकारिता लोक मंगल के लिए होना चाहिए।

उसका धर्म ही लोक मंगल होना चाहिए। हमें प्रेरणा लेनी चाहिए देवश्री नारद से जो लोक हितकारी सूचनाओं का आदान-प्रदान करते थे इसलिए उन्हें संसार का प्रथम पत्रकार भी माना जाता है। प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं सोशल मीडिया के कारण पत्रकारों की भीड़ बढ़ रही है।

प्रेसवार्ता कर पुलिस ने किया मामले का खुलासा

नकली पिस्टल दिखाकर बुजुर्ग महिला को लूटा था

गंजबासौदा , दोपहर मेट्रो

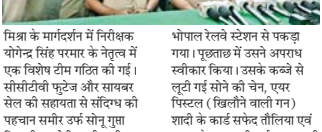

विगत दिनों बुजुर्ग महिला से दिनदहाड़े हुई लूट का शहर पुलिस ने प्रेसवार्ता में जानकारी देते हुए लूट का खुलासा करते हुए बताया कि जालोरी गली निवासी कमला जालौरी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी एक युवक जो चेहरा ढँककर शादी का कार्ड देने के बहाने घर में घुसा और गोली मारने की धमकी देकर उनके गले से सोने की चेन लूट कर भाग गया। जिसकी कीमत लगभग एक लाख रुपए थी। थाना शहर में प्रकरण दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई। पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी द्वारा मामले को गंभीरता से लेते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे एवं एसडीओपी मनोज कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में निरीक्षक योगेन्द्र सिंह परमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। सीसीटीवी फुटेज और सायबर सेल की सहायता से संदिग्ध की पहचान समीर उर्फ सोनू गुप्ता निवासी जालोरी वाली गली बासौदा के रूप में हुई। आरोपी को भोपाल रेलवे स्टेशन से पकड़ा गया। पूछताछ में उसने अपराध स्वीकार किया। उसके कब्जे से लूटी गई सोने की चेन, एयर पिस्टल (खिलौने वाली गन) शादी के कार्ड सफेद तौलिया एवं घटना के समय की शर्ट बरामद की गई।

मेट्रो एंकर अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार घायल, दोनों हादसों की जांच में जुटी पुलिस

लगन में शामिल होने जा रहे भाई बहन हादसे का शिकार, भाई की मौत

तेंदूखेड़ा , दोपहर मेट्रो

तेंदूखेड़ा थाना क्षेत्र में सड़क हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं हर दिन सड़क हादसे निकलकर सामने आ रहे हैं कहीं वाहनों की रफ्तार वजह बन रही हैं तो कहीं बिना हेलमेट और कहीं अंधी मोड़ इन हादसों की वजह बन रही है इन हादसों में लोगों की जान जा रही है तो दर्जनों लोग घायल भी हो रहे हैं लेकिन लोग सावधानी से सफर करना नहीं समझ रहे हैं गुरुवार को थाना क्षेत्र के अंतर्गत दो मार्ग पर दो सड़क हादसों में एक की मौत हो जाने सहित दो लोगों के घायल होने का घटनाक्रम सामने आया है जहां पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है गुरुवार की शाम 4 बजे थाना क्षेत्र के अंतर्गत तारादेही मार्ग पर चौराई और कछार के बीच एक तेज रफ्तार कंटेनर ने बाइक सवार को टक्कर मार दी इस हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई जबकि एक लड़की घायल हो गए जिन्हें इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया था लेकिन

डॉ द्वारा युवक को मृतक घोषित कर दिया घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार नीलेश पिता नोनेलाल अहिरवार उम्र 22 वर्ष रश्मि पिता नोनेलाल अहिरवार उम्र 17 वर्ष निवासी शिवलाल खमरिया थाना तारादेही के निवासी हैं घटना के संबंध में परिजनों द्वारा बताया गया है कि नीलेश अहिरवार और रश्मि अहिरवार दोनों भाई बहन हैं और चौपड़ा गांव में बुआ के यहां पर लगन समारोह में शामिल होने के लिए जा रहे थे लेकिन रास्ते में कंटेनर क्रमांक एमपी 04डी पी 2931 एवं बाइक क्रमांक एमपी 34ए 05238 है कंटेनर तेन्दूखेड़ा की तरफ से तारादेही महाराजपुर की ओर जा रहा है और बाइक सवार तारादेही की तरफ से तेन्दूखेड़ा की और आ रहे हैं इसी बीच यह हादसा हो गया राहगीरों द्वारा बताया गया है कंटेनर चालक द्वारा तेज रफ्तार से क्रासिंग के दौरान सीधे बाइक सवार को टक्कर मार दी घटना की सूचना मिलते ही तेन्दूखेड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू कर दी है और वाहन को अपने कब्जे में लेते हुए थाना परिसर में रखवाया गया है वहीं शव का शुक्रवार की सुबह पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम होगा ओर शव परिजनों के सुपुर्द किया जाएगा

ज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार घायल

वहीं दूसरी घटना दमोह मार्ग पर हुई है जहां पर बम्हौरी और पिंडरई के बीच अज्ञात वाहन बाइक सवार को टक्कर मारकर मौके से भाग निकला जहां घायल को उठाकर परिजनों इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे जहां पर युवक का इलाज किया गया जानकारी अनुसार मुकेश पिता हल्का बसोर कटरा बेलखेड़ा थाना पाटन का निवासी है जो हादसे का शिकार हुआ है वहीं परिजनों द्वारा स्वास्थ्य केंद्र में इलाज नहीं मिलने पर डाक्टरों पर आरोप लगाया है अशोक बेन का कहना है स्वास्थ्य केंद्र में घायल को ना ही इलाज मिला है ना ही कोई चेकअप किया है जबकि युवक के शरीर में गंभीर चोटें है पुलिस द्वारा दोनों घटनाओं की जांच की जा रही है।

संपादकीय

मनरेगा में मनमानी के नुकसान

गाँवों के जीवन का बड़ा संबल सिध्द हुई मनरेगा योजना में बहुत सारे छेद साफ नजर आने लगे हैं। वैसे तो यह स्थापित तथ्य है कि अधिकतर सरकारी योजनाएं अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पातीं बल्कि बीच रास्ते में ही भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ने लगती हैं। इसीलिये यदि महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना यानी मनरेगा की स्थिति को देखें तो यह इससे अलग नहीं बची। योजना की शुरूआत इस मकसद से की गई थी कि गरीब परिवारों को साल में कम से कम सौ दिन रोजगार मिल सकेगा और उन्हें अपने भरण-पोषण के लिए किसी अन्य पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। वैसे तो शुरूआती वर्षों में ही इसमें भ्रष्टाचार उजागर होने लगे थे। फर्जी नाम दर्ज कर काम देने की बड़ी चालबाजियां सामने आई थीं। उसे रोकने के कई उपाय किए गए, पर इस पर पूरी तरह विराम नहीं लग सका। इस योजना को बंद करने या इसका स्वरूप बदलने का फैसला इसलिए नहीं किया जा सका कि संविधान में इसकी गारंटी दी गई है। सरकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार का ताना-बाना संबंधित महकमों में ही बुना जाता है। इसका ताजा उदाहरण गुजरात में मनरेगा के तहत फर्जी तरीके से कार्य निष्पादन के दस्तावेज तैयार कर करोड़ों की रकम भुना लेने का है। पुलिस ने इस मामले में अब तक ग्यारह लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन्हें सड़क, बांध, पुलिया आदि निर्माण के लिए सामग्री मुहैया कराने का ठेका दिया गया था। इस घोटाले ने इसलिए तूल पकड़ा और राजनीतिक रंग ले लिया है कि इसमें वहां के पंचायत और कृषि राज्यमंत्री के दो बेटों को भी गिरफ्तार किया गया है। उनकी एजेंसियां भी मनरेगा परियोजनाओं में शामिल थीं। बताया जा रहा है कि उन्होंने कार्यों का निष्पादन किए बगैर फर्जी दस्तावेज जमा कर भुगतान प्राप्त कर लिया। मनरेगा की जिन परियोजनाओं में उन्होंने घोटाला किया, वे वहां के आदिवासी इलाकों में चलाई जा रही थीं। इसके अलावा, फिलहाल जांच में पैंतीस ऐसी एजेंसियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है, जिन्होंने 2021 से 2024 के बीच सरकारी अधिकारियों से मिलीभगत करके जाली दस्तावेजों के आधार पर इकहत्तर करोड़ रुपए का भुगतान प्राप्त कर लिया। अभी तक जिला ग्रामीण विकास एजंसी यानी डीआरडीए की जांच में सामने आए एक जिले के तथ्यों के आधार पर ये गिरफ्तारियां हुई हैं। इसलिए कयास लगाए जा रहे हैं कि पूरे राज्य में इस योजना के तहत कितने बड़े पैमाने पर घोटाला हुआ होगा। उन आदिवासी इलाकों में बुनियादी सुविधाओं की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है, जिनके लिए ये परियोजनाएं चलाई तो गई थीं, पर वे केवल कागजों में दर्ज होकर रह गईं। आमतौर पर गरीबों के लिए चलाई जाने वाली योजनाएं और कार्यक्रम जमीन पर कम ही उतर पाते हैं। दिखावे के लिए जो कुछ काम होते भी हैं, उनकी गुणवत्ता सदा संदिग्ध रहती है। उनमें इस्तेमाल सामग्री और कामकाज की गुणवत्ता इस कदर खराब होती है कि सड़कें, पुल-पुलिया वगैरह पहली ही बारिश में धुल कर साफ हो जाते हैं। ग्रामीण विकास के नाम पर अनेक योजनाएं चलाई जाती हैं, केंद्र और राज्य दोनों सरकारों की तरफ से, मगर वास्तव में उनसे गांवों का चेहरा कितना बदला है, कहना मुश्किल है। ऐसे वक्त में, जब अस्सी करोड़ से ऊपर लोगों को मुफ्त के राशन पर निर्भर रहना पड़ रहा है, मनरेगा जैसी रोजगार गारंटी योजना में इतने बड़े पैमाने पर व्याप्त भ्रष्टाचार विकास के दावों का विद्रूप ही कहा जाएगा। सहज ही अंदाज लगाया जा सकता है कि अन्य राज्यों में इस योजना की हालत क्या होगी।

आज का इतिहास

- 1420: आस्ट्रिया और सीरिया से यहूदियों को निकाला गया।
- 1805: गवर्नर जनरल लॉर्ड वेलेजली ने दिल्ली के मुगल बादशाह के लिए स्थायी प्रावधान की व्यवस्था की।
- 1912 : तिब्बत के 13वें धर्मगुरु दलाई लामा ने तिब्बत को स्वतंत्र घोषित किया। चीन ने उस वक्त इसपर कोई विरोध नहीं जताया।
- 1915: प्रथम विश्व युद्ध के समय इटली ने आस्ट्रिया, हंगरी और जर्मनी के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
- 1949: पश्चिम जर्मनी संविधान को अंगीकार करने के बाद औपचारिक रूप से अस्तित्व में आया।
- 1951: चीन ने तिब्बत पर कब्जा किया था। दुनिया के अनेक देशों में इसे अंतरराष्ट्रीय तिब्बत मुक्ति दिवस और काला दिवस दोनों रूप में मनाया जाता है। चीन मानता है कि यह उसका शांति की स्थापना के लिए पहला कदम था। दरअसल इसी तारीख को तिब्बत ने चीन के दबाव में आकर एक समझौते पर हस्ताक्षर किया था। इस समझौते के बाद तिब्बत पर चीन का कब्जा हो गया।
- 1977: बेनिन ने संविधान को अंगीकार किया।
- 1984: बछेन्द्री पाल दुनिया की सबसे ऊंची चोटी एवरेस्ट को फतह कर पहली भारतीय महिला बनीं ।
- 2001: पाकिस्तान का भारत को एमएफएन का दर्जा देने से इनकार।
- 2004: बांग्लादेश में तूफान के कारण मेघना नदी में 250 लोगों से भरी नाव डूबी।
- 2004: सिंगापुर में जहाज टैंकर से टकराया। 4000 कार डूबीं।
- 2008: भारत ने सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल पृथ्वी-2 का सफलतापूर्वक परीक्षण किया।
- 2008: नेपाल के राजा ज्ञानेंद्र ने नारायणहिती महल खाली किया।
- 2008: सोमालिया के समुद्री अपहर्ताओं ने भारतीय कर्मियों वाला जहाज छोड़ा।
- 2008: पाकिस्तान के राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ ने सत्तारूढ़ पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी से नाता तोड़ा।
- 2009: भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति रोह मू ह्यून ने आत्महत्या की।
- 2016: भारतीय अंतरिक्ष शोध संस्थान ने आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्पेस सेंटर से स्वदेशी स्पेस शटल आरएलवी-टीडी को लॉन्च किया।
- 1950 :चीन ने हजारों सैनिकों के साथ तिब्बत पर हमला कर दिया। चीन तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा को बंदी बनाना चाहता था। मगर वह चीन का इरादा भांपकर तिब्बत से भारत चले आए।
- 1896: महाराष्ट्र की प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता कमलाबाई होसपेट का जन्म।
- 1918: भारत के प्रसिद्ध गणितज्ञ पीसी वैद्य का जन्म।
- 1919: जयपुर राजघराने की राजमाता गायत्री देवी का जन्म।
- 1931: भारतीय शास्त्रीय संगीतकार वसुंधरा कोमकली का जन्म।
- 1949: पेक के पूर्व राष्ट्रपति ऐलन गार्सिया का जन्म।
- 1930: प्रसिद्ध भारतीय इतिहासकार और पुरातत्ववेत्ता राखालदास बंद्योपाध्याय का निधन।
- 2010: भारत में नक्सली आंदोलन के सूत्रधार कानू सान्याल का निधन।
- 2011: भारतीय लेखक और अनुवादक चन्द्रबली सिंह का निधन।

'लोकलाज' के बिना अधूरा ही है लोकराज

■ विश्वनाथ सचदेव

जनतंत्र का एक नाम लोकराज भी है। समाजवादी विचारक डॉक्टर राम मनोहर लोहिया कहा करते थे, 'लोकराज लोकलाज से चलता है।' अर्थात ? कुछ मर्यादा है जनतांत्रिक व्यवस्था की जिनका पालन उन सबको करना चाहिए जो इस व्यवस्था को जीते हैं। इन मर्यादाओं में एक महत्वपूर्ण स्थान उस भाषा का है जो हमारे राजनेता काम में लेते हैं। संसद से लेकर सड़क तक आज जो भाषा हमारी राजनीति को परिभाषित कर रही है, वह इस बात का स्पष्ट उदाहरण है कि हमारे राजनेता या तो ऐसी किसी मर्यादा को जानते नहीं हैं, या फिर उसे मानना नहीं चाहते। दोनों ही स्थितियां चिंताजनक हैं। मर्यादाओं का जानना जरूरी है और उनका पालन करना भी। दुर्भाग्य से यह दोनों काम नहीं हो रहे। भाषा का सीधा रिश्ता व्यक्ति की सोच से है। जैसी आपकी सोच होगी, वैसे ही भाषा भी होगी। इसलिए जब हमारा कोई नेता घटिया भाषा बोलता है तो निश्चित रूप से उसकी सोच भी उतनी ही घटिया होती है। चिंता की बात तो यह है कि हमारे नेताओं को अपनी घटिया सोच की कोई चिंता नहीं दिखती। उन्हें यह लगता ही नहीं कि वह कुछ ग़लत कर रहे हैं। ऐसे में उनसे किसी प्रकार की लोकलाज की अपेक्षा ही कैसे की जा सकती है ? अभी हाल में कांग्रेस के एक बड़े नेता प्रधानमंत्री के लिए तू-तड़ाक की भाषा में बात कर रहे थे। प्रधानमंत्री के संदर्भ में वह कहना चाहते थे कि 'उन्हें इस बात का पता नहीं है', पर उन्हें की जगह उसे कहने में नेताजी को तनिक भी संकोच नहीं हो रहा था। दूसरी तरफ भाजपा के एक सांसद कांग्रेस के इन बड़े नेताजी के संदर्भ में कह रहे थे कि प्रधानमंत्री की तुलना में वह नाली के कीड़े के समान है। यह एक उदाहरण ही इस बात को समझने के लिए पर्याप्त है कि हमारे नेताओं की एक-दूसरे के प्रति सोच कैसी है और हमारी राजनीति का स्तर कितना छोटा होता जा रहा है ! यह हमारे नेताओं के बौने होते जाने का उदाहरण भी है और हमारी राजनीति के घटिया स्तर का भी।

अपने राजनीतिक विरोधी की आलोचना करना कतई ग़लत नहीं है, पर आलोचना और गाली-गलौज में अंतर होता है। लगता है इस अंतर को हमारे नेताओं ने भुला दिया है या फिर याद रखना नहीं चाहते। आज घटिया भाषा हमारी राजनीति का 'नया सामान्य' बन चुकी है।

इन नेताओं में प्रतियोगिता इस बात की चल रही है कि लोकलाज की दृष्टि से कौन कितना घटिया है। हाल ही में भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे 'संघर्ष' (युद्ध ही कहना चाहिए इसे) के दौरान हमारी सेनाओं ने जनता को इसकी जानकारी देने के लिए सेना की दो महिला अफसरों को नियुक्त किया था। इनमें से एक महिला मुसलमान थी और यह अनायास नहीं हुआ था। बहुत सोच-समझकर इस महिला सैन्य-अधिकारी को यह काम सौंपा गया था। एक अच्छा उदाहरण था यह इस बात का इस देश का हर नागरिक चाहे वह किसी भी धर्म को मानने वाला हो, आतंकवाद के, और विदेशी हमले के खिलाफ, पहले भारतीय है। लेकिन मध्य प्रदेश के एक मंत्री ऐसा नहीं मानते, इस महिला अधिकारी के लिए उन्होंने जिन शब्दों का उपयोग किया वह कोई भी सभ्य व्यक्ति नहीं करना चाहेगा। लेकिन हमने देखा कि संसद में भी हमारे सांसदों को एक-दूसरे के प्रति घटिया भाषा का इस्तेमाल करने में कोई संकोच नहीं होता। हैरानी की बात तो यह है कि जब एक सांसद महोदय सदन में घटिया भाषा में बोल रहे थे तो वहां उपस्थित पार्टी के बड़े नेताओं में से किसी ने भी उन्हें रोकने की आवश्यकता अनुभव नहीं की ! और सेना की महिला-प्रवक्ता के संदर्भ में भी घटिया भाषा और घटिया सोच वाले यह मंत्री जी अभी तक अपने पद पर बने हुए हैं। न उन्होंने इस्तीफा दिया है, न उनसे इस्तीफा मांगा गया है। भाजपा के नेतृत्व ने यह कहकर इस शर्मनाक कांड से पल्ला झाड़ लिया है कि अब मामला न्यायालय में है, इसलिए इस बारे में कुछ नहीं कहना चाहिए ! हैरानी की बात तो यह है कि देशभर में इस मंत्री महोदय की थू-थू हो रही है, पर फिर भी भाजपा का नेतृत्व इस आवाज को सुन नहीं रहा !

टी.वी. के विभिन्न चैनलों पर प्रतिदिन बहस होती है। इन बहसों का स्तर भी इतना घटिया हो गया है कि हैरानी होती है इनमें भाग लेने वाले अधिसंख्य प्रतिनिधियों की बुद्धि पर। अपने दल की रीति-नीति का समर्थन करना स्वाभाविक है। कुछ ग़लत भी नहीं है इसमें। लेकिन, अक्सर जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल राजनीतिक-दलों के प्रवक्ता करते हैं उसे किसी भी दृष्टि से सही नहीं कहा जा सकता। दूसरे की लकीर को छोटा करने के लिए अपनी लकीर लंबी करनी होती है, पर हमारे राजनेता और राजनीतिक दलों के प्रवक्ता दूसरे की लकीर को मिटाने की नीति में विश्वास करते हैं, और इस कोशिश में सारी मर्यादाएं लांघ जाते हैं। अमर्यादित भाषा घटिया सोच और बीमार मानसिकता की परिचायक होती है। इस बात को हमारे राजनेता समझना नहीं चाहते एक बात और भी है। घटिया अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करने पर जब उंगली उठती है तो वे 'मुझे ग़लत समझ गया' अथवा 'मेरे कहने का यह मतलब नहीं था' जैसे वाक्यांशों से अपना बचाव करते हैं। जब टी.वी. नहीं था और रिकॉर्डिंग करने की कोई व्यवस्था नहीं थी तो हमारे राजनेता 'मैंने ऐसा नहीं कहा' का सहारा लेते थे। अब यह नहीं कहा जा सकता, इसलिए वे कहते हैं, 'मेरे कहने का यह अर्थ नहीं था'। इन नेताओं को बताना होगा कि भाषा की मर्यादा का उल्लंघन किसी भी दृष्टि से उचित नहीं ठहराया जा सकता।

अमर्यादित भाषा अराजकता का संकेत देती है। हमारे संविधान के प्रमुख शिल्पी डॉ. अंबेडकर ने कहा था, 'अराजकता का व्याकरण लोकतंत्र को मज़बूत होने से ही नहीं रोकता, उसे कमज़ोर भी बनाता है।' आज हम भाषा की अराजकता के शिकार हो रहे हैं। ऐसा नहीं है कि हमारी राजनीति में यह अराजकता अचानक उभर आयी है। पहले भी भाषा की मर्यादा भुलाने के उदाहरण मिलते थे, पर सीमित हुआ करती थी यह प्रवृत्ति। आज जिस गति और मात्रा में यह मर्यादा-हीनता उजागर हो रही है, वह डराने वाली है। संयम और शालीनता दोनों हमारी राजनीति के लिए जैसे कोई बाहरी वस्तु बन गये हैं। कड़वाहट और द्वेष का छलक-छलक पड़ना हमारे नेताओं की अमर्यादित भाषा का उदाहरण प्रस्तुत करता है। अपने प्रतिद्वंद्वी को नाली का कीड़ा समझना या कहना घटिया राजनीति है। बशीर बद्र का एक शे'र है-' दुश्मनी जम कर करो, लेकिन यह गुंजाइश रहे' फिर कभी हम दोस्त बन जायें तो शर्मिंदा न हों ।' यहां सवाल फिर से दोस्त बनने का नहीं है। राजनीतिक विरोध का मतलब दुश्मनी नहीं होता। मतभेद स्वाभाविक है। राजनीतिक दलों के अस्तित्व का आधार ही भिन्न मतों का होना है। लेकिन इस भिन्नता का अर्थ आपस में गाली-गलौज हो जाए, यह मतलब तो नहीं होता जनतंत्र का। कई बार ऐसा लगता है कि एक-दूसरे पर कीचड़ उछालने वाले राजनेता क्या सचमुच में एक-दूसरे के दुश्मन होते हैं ? ऐसा नहीं है। ऐसा नहीं होना चाहिए। शालीनता और भद्रता से रहित राजनीति जनतंत्र को बदशक्ल ही बनाती है। जनतंत्र विभिन्न फूलों वाला प्यारा-सा गुलदस्ता है, अमर्यादित आचरण से इस गुलदस्ते की खूबसूरती को नष्ट करने का अवसर और अधिकार किसी को नहीं मिलना चाहिए। किसी भी कीमत पर नहीं।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

कश्मीरी महिलाओं के सामने फिर आया 'बड़ा संकट'

■ तृप्ति सिंघल सोमानी

पहलगाम, जिसे 'चरवाहों की घाटी' के नाम से जाना जाता है, कश्मीर की सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है। यह खामोशी से हिमालय की गोद में बसा है, जहां बर्फीली नदियां, हरे देवदार के जंगल और दूर तक फैले घास के मैदान हैं। दुनिया भर से लोग शांति महसूस करने, ठंडू की सवारी का आनंद लेने, नदी किनारे गर्म कहवा पीने और ताजी पहाड़ी हवा में सांस लेने के यहां लिए आते हैं। इसे 'धरती पर स्वर्ग' कहा जाता है।

इस साल, वसंत का मौसम कश्मीर घाटी के लिए विशेष था। महामारी और राजनीतिक अशांति के कारण वर्षों की खामोशी के बाद, कश्मीर का पर्यटन सीजन आखिरकार उम्मीद के संकेत दे रहा था। स्थानीय बाजार फिर से खुल रहे थे, और होमस्टे को फिर से बुकिंग मिल रही थी। क्षेत्र की अधिकांश महिलाओं के लिए पर्यटन पैसे कमाने, अपने घरों से बाहर निकलने और अपनी पहचान बनाने का एक तरीका बन गया है। वे खाने के स्टॉल चला रही थीं, प्रकृति की सैर करा रही थीं, हाथ से बने कपड़े बेच रही थीं और पर्यटकों को कढ़ाई सिखा रही थीं। धीरे-धीरे और चुपचाप, वे सम्मान और आर्थिक स्वतंत्रता का जीवन जी रही थीं। लेकिन 22 अप्रैल, 2025 को एक ही झटके में सबकुछ बदल गया। उस दिन, हथियारों से लैस पांच आतंकवादियों ने पहलगाम में पर्यटकों के एक समूह पर हमला किया। यह अचानक

और क्रूर था। इसमें छब्बीस लोग मारे गए और बीस से ज्यादा घायल हो गए। यह हाल के वर्षों में भारत का सबसे खतरनाक आतंकी हमला बन गया। इस खबर ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। इसके बाद लोगों के साथ जो हुआ -खासकर कश्मीर की महिलाओं के साथ-वह काफी हद तक अनदेखा रहा। पर्यटकों ने तुरंत अपनी यात्रा योजनाएं रद्द करनी शुरू कर दीं।

लोकल सर्किल्स के एक हालिया सर्वेक्षण के अनुसार, देश के 62 से अधिक परिवारों ने कश्मीर जाने का प्लान कैंसल कर दिया। होटल और गेस्टहाउस खाली होने लगे। हमले से पहले पहलगाम में गूँज रहीं हंसी, कदमों की आहट और कैमरे क्लिक-क्लिक एकदम से बंद हो गईं. सुनाई देने लगी तो चीख-पुकार, मातम, फौजी जूतों की थाप। और धरती के इस स्वर्ग को खौफ और पहले वाले सन्नाटे ने अपने आगोश में ले लिया। यह सन्नाटा सिर्फ़ व्यापार का नुकसान नहीं है। कई महिलाओं के लिए यह उनकी आय का एकमात्र स्रोत का खोना भी है। यह आत्मविश्वास और उम्मीद का नुकसान है। अरु घाटी के पास एक छोटा सा कहवा स्टॉल चलाने वाली रुबीना की आंखों में आंसू थे जब उन्होंने कहा, 'हमने अभी-अभी कोविड से उबरना शुरू ही किया था। अप्रैल हमारा सबसे व्यस्त महीना माना जाता था। अब सबकुछ वापस शून्य पर आ गया है'। अनंतनाग की कारीगर शबनम ने कहा, 'हमें आखिरकार वे पर्यटक मिल रहे थे जो हर साल हमसे खरीदारी करने आते थे। इस हमले ने सबकुछ खत्म कर दिया, पर्यटक अब डरे हुए हैं और हम फिर से पहले वाली स्थिति में पहुंच गए हैं'।

पूर्व के एक अध्ययन से पता चला है कि कश्मीर में पर्यटन ने महिलाओं को पैसे कमाने, नए कौशल सीखने और अधिक स्वतंत्र होने का मौका दिया है। पर्यटन का हिस्सा बनना उनके लिए काम से कहीं बढ़कर है - यह उनकी पहचान है, उनका अस्तित्व है, मगर एक हमले ने इन महिलाओं को जिंदगी की दौड़ में फिर सबसे पीछे लाकर खड़ा कर दिया है. डर-खौफ के नए माहौल के बीच, अब कई महिलाओं को बाहर जाने की अनुमति नहीं है। परिवार स्थानीय बेटियों को बाजार भेजने से भी डरते हैं। महिलाओं द्वारा चलाए जा रहे होमस्टे खाली हैं। कहवा स्टॉल बंद हैं। कढ़ाई की कार्यशालाएं एकी हुई हैं। सब कुछ फिर से जम गया है। इस हमले का वास्तविक नुकसान हमारी नज़र से परे है। इसने महिलाओं की प्रगति को छीन लिया है। इसने सार्वजनिक स्थान पर उनकी आवाज़ और उपस्थिति को छीन लिया है। इसने उन्हें फिर से अन्धकार में धकेल दिया है। कश्मीर में अस्थिर परिस्थितियां सीधे तौर पर वहां के लोगों के लिए आर्थिक आघात में बदल जाती हैं. खासकर, महिलाओं के लिए स्थिति और भी ज्यादा बुरी हो जाती है, क्योंकि वैकल्पिक रोजगार तक उनकी पहुंच पहले से ही सीमित है।

(साभार : लेखक अर्थशास्त्री हैं , यह उनके निजी विचार हैं)

विनय से पात्रता प्राप्त होती है ।
- हितोपदेश

निशाना

लगा उन्हें है रोग !

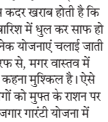

बार बार दुहराकर ट्रंप ।
बन रहे महान ।।
भारत उनकी बात का ।
ना लिया संज्ञान ।।
बन कर अब बड़बोले वो ।
हैं रहे उभर ।।
लेकिन ना आसान है ।
उनकी ये डगर ।।
असली मुद्दों से वो ।
रहे अब भटक ।।
आगे इस पर हैं अडिग ।
है इसमे भी शक ।।
बोलने का ज्यादा ।
लगा उन्हें है रोग ।।
होंगे जल्द असहज ।
अमरीका के लोग ।।

– कृष्णेन्द्र राय

जैव विविधता संरक्षण के संकल्प के साथ विदिशा जिले की नवांकुर संस्थाओं का नर्सरी प्रशिक्षण सम्पन्न

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद जिला विदिशा द्वारा विश्व जैव विविधता दिवस विविधता दिवस पर समृद्धि योजना अंतर्गत नवांकुर संस्थाओं का नर्सरी प्रशिक्षण आज हलाली रोपणी, इकाई विदिशा में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से वन विभाग के सेवानिवृत्त रेंज अधिकारी एससी जैन, संभाग प्रभारी राज्य कार्यालय, अमिताभ श्रीवास्तव, वरुण आचार्य संभाग समन्वयक भोपाल, अक्षय सिंह, रेंजर वन

विभाग, जिला समन्वयक श्रीमति पूजा बंधैया मौजूद रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में संस्थाओं द्वारा अपने कार्यक्षेत्र में किये जा रहे कार्यों की जानकारी दी गई। वन विभाग के सेवानिवृत्त अधिकारी एससी जैन द्वारा जैव विविधता दिवस के अवसर पर जैव विविधता के संरक्षण के लिए संस्थाओं को सक्रियता से कार्य करने हेतु प्रेरित किया। साथ ही नर्सरी निर्माण के लिए आवश्यक तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया। वन विभाग के रेंजर श्री अक्षय सिंह द्वारा नर्सरी तैयार करने की आवश्यक विधियों के बारे में जानकारी दी एवं प्रतिभागियों की समस्याओं का समाधान किया। संभाग प्रभारी अमिताभ श्रीवास्तव द्वारा जैव विविधता दिवस के अवसर पर संस्थाओं को पर्यावरण संरक्षण हेतु कार्य करने पर बल दिया। श्री वरूण आचार्य, संभाग समन्वयक भोपाल द्वारा प्रशिक्षण के उद्देश्य के विषय पर प्रकाश डालते हुए सभी नवांकुर संस्थाओं को उत्कृष्ट नर्सरी तैयार करने हेतु मार्गदर्शित किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन जिला समन्वयक विदिशा श्रीमति पूजा बंधैया द्वारा किया गया।

राजेश मोरे रोपणी अधीक्षक ने सभी प्रतिभागियों को वन विभाग द्वारा स्थापित रोपणी का भ्रमण भी कराया गया। प्रशिक्षण में जिला विदिशा के विकासखंड समन्वयक एवं नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

रास्ते में खड़े बेतरतीब वाहनों से आए दिन लगता जाम, पार्किंग की समस्या बनी परेशानी का सबब

नगर के मुख्य मार्गों पर समस्या का अंबार लगा, कार्रवाई को लेकर उदासीन अधिकारी

तेंदूखेड़ा , दोपहर मेट्रो

बीस हजार आबादी वाले तेंदूखेड़ा नगर में बेतरतीब सड़कों पर खड़े दो, चार पहिया वाहन दूसरे लोगों की आवाजाही करने पर रास्ता रोक रहे हैं। इस व्यवस्था के चलते हर दिन जाम के हालात बनने से अव्यवस्था अलग फैल रही है। पुलिस-प्रशासन ने इस समस्या का निराकरण करने कई बार प्लान तैयार किया, लेकिन वह जमीन पर उतरने की बजाए कागजों में दबकर रह गया। इससे समस्या न दूर हुई और न ही आमजन की परेशानी कम हुई है।

जबलपुर - दमोह के बीचो बीच बसा है नगर

तेंदूखेड़ा नगर जबलपुर दमोह के मध्य में बसा हुआ है यहां से जबलपुर की दूरी 54 किलोमीटर,वहीं दमोह की दूरी 53 किलोमीटर है साथ ही सागर की दूरी 101 किलोमीटर एवं

महाराजपुर की दूरी 60 किलोमीटर है जिसके कारण नगर से प्रतिदिन हजारों गाड़ियां बड़े वाहन निकलते हैं पर मुख्य मार्ग पर फैली अराजक यातायात व्यवस्था से जाम की स्थिति निर्मित रहती है नगर में सबसे बड़ी समस्या पार्किंग की है। आबादी के साथ यातायात का भले ही भार बढ़ा हो, लेकिन एक भी जगह पार्किंग की व्यवस्था नहीं हो पाई है। इससे लोग जहां सड़क पर खाली जगह दिखी वहीं वाहनों को पार्क करते हैं। इन वाहनों को खड़ा करने के बाद घंटों तक नहीं हटाया जाता है। इस दौरान आने जाने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई बार चालकों को इन वाहनों की हटाना पड़ता है तब जाकर वह अपने वाहन निकाल पाते हैं।

तारादेही तिराहे में ऑटो चालकों की मनमानी पार्किंग के कारण लगता हुआ जाम

नगर की तरादेही तिराहे पर ऑटो चालको एवं माल वाहकों का कब्जा रहता है तिराहे के कारण मुख्य मार्ग पर ही अपनी बहन खड़े कर कर सवारी की बुकिंग, माल की बुकिंग का अड्डा बना रखा है जिसके कारण यहां से गुजरने वाली बड़े बाहनों को काफी परेशानी होती है साथ ही मुख मार्ग पर खड़े होने के कारण जाम लगता है लेकिन इस व्यवस्था को सुधारने भी में किसी का कोई ध्यान नहीं जा रहा है निकलने तक की नहीं मिलती जगह इस तरह वाहनों को सड़क पर खड़ा किया जा रहा है।

मंगलवार को नगर का सासाहिक बाजार रहता है जिसके कारण सबसे ज्यादा यातायात की बेकार स्थिति रहती है शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय से तहसील तक एवं तारादेही तिराहे से विश्राम भवन तक के बीच की दोनों तरफ सड़क लंबे समय से बड़े वाहनों की जाम मै फसे रहते है। कई बार इस प्रकार की स्थिति बन जाती है कि लोगों को निकलने तक की जगह नहीं मिलती है। लोगों का कहना है कि वर्षों से चली आ रही समस्या का निराकरण नहीं होना सीधे सिस्टम की लापरवाही और जिम्मेदारों की अनदेखी को दर्शाता है।

नगर के लोगों ने व्यवस्था सुधारने बताए उपाय

अराजक यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए नगर के लोगों ने प्रशासन की नुमाइदो से व्यवस्था सुधारने के लिए कुछ उपाय भी बताएं हैं लोगों का कहना है कि

पार्किंग नहीं बनने तक वाहनों को खड़ा करने एक निश्चित स्थान तय करें। लोगों को समझाइश दे नहीं माने तो चालानी कार्रवाई करें नगर में निश्चित स्थान पर ही वाहन खड़ा कराए, कोई सड़क पर खड़ा करें तो कार्रवाई हो। सड़क पर हो रहे कच्चा-पक्का अतिक्रमण को हटाया जाए। पुलिस-प्रशासन नियमित मॉनीटरिंग कर व्यवस्था पर नजर रखें।

सिरोंज। लक्ष्मी मीना एडवोकेट वकील साहब भोपाल से पधारी साहू समाज रानी साहू जिला अध्यक्ष का आत्मिक सम्मान किया।

पीएम किसान सेल्फ रजिस्ट्रेशन

सिरोंज। विदिशा गूगल मीट में दिए गए निर्देशो का हवाला देते हुए अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर ने बताया कि 31 मई के उपरांत पीएम किसान सम्मानिधि की 20वीं किश्त के वितरण में एफटीओ जनरेट करने की कार्यवाही प्रारंभ की जानी है। जिले में अभी तक 1.31 लाख सेल्फ रजिस्ट्रेशन लंबित है जिनका निराकरण ना होने के कारण ऐसे सभी हितग्राही 20वीं किश्त में सम्मिलित नहीं हो सकेंगे। अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर ने पीएम किसान सेल्फ रजिस्ट्रेशन के कार्यो को युद्धगति से क्रियान्वित कराने के निर्देश प्रसारित किए है। अपर कलेक्टर श्री डामोर ने बताया कि पीएम किसान ससपेक्टेट बेनिफेसरी के संबंध में भारत सरकार के द्वारा एसओपी जारी की गई है। एसओपी के अनुसार राशन कार्ड डाटा के आधार पर ससपेक्टेट बेनिफेसरी की सूची पीएम किसान पोर्टल पर लॉगिग में उपलब्ध है एवं गूगल शीट के माध्यम से जिले को डाटा उपलब्ध कराया गया है। 31 मई तक उक्त डाटा में जांच उपरांत पति एवं पत्नि पाए जाने पर दोनो को अपात्र किया जाना है। अवगत कराने के उपरांत भी उक्त कार्यवाही जिले में संपादित नहीं होती है तो 20वीं किश्त प्राप्ति में हितग्राहियों को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

खाद्य-सुरक्षा विभाग और नपा ने केमिकल्स से पके 400 क्विंटल आम नष्ट कराए

सिरोंज। कार्बेट और केमिकल से आमों सहित फलों को पकाने तथा पॉलिश करने के लिए केमिकल वाला पाउडर इस काम को लंबे समय से किया जा रहा जो सेहत के लिए हानिकर है इसकी रोकथाम करने के लिए हो दिल्ली से मिले निर्देशों के बाद खाद्य-सुरक्षा अधिकारी कुदेशिया ख़ान तथा नगर पालिका स्वास्थ्य अधिकारी धीरज मैना मिलाकर संयुक्त रूप से जांच की सबसे पहले यह सब्जी मंडी पहुंचे जहां पर कार्बेट से पकाने वाले आमों की जांच के बाद पड़ा इनको नष्ट करवाने का काम जो लगभग चार सौ किलो के करीब थे।

इसके बाद उन्होंने फलों का व्यापार करने व्यापारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि कॉर्बेट से आम ना पकाए पॉलिश करने के लिए पाउडर-का उपयोग भी ना करें यह सेहत के लिए हानिकारक होता है ।आगे से गलती मिलने पर कार्रवाई होगी अभी केवल हिदायत देकर छोड़ रहे हैं इसके अलावा मावा दूध दही पनीर आदि के सैंपल भी कुछ दुकानों से जांच के लिए गए टीम के आने की जानकारी लगते ही अधिकांश दुकानें बंद हो गई थी इनके जाने उपरांत ही इनके ताले खुले।

जिले में आज 1.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज

सिरोंज। विदिशा जिले में पिछले 24 घंटो में हुई बारिश की जानकारी देते हुए अधीक्षक भू-अभिलेख श्रीमती कृष्णा रावत ने बताया कि जिले की तहसीलो में स्थापित वर्षामापी यंत्रो पर गुरूवार 22 मई की प्रातः आठ बजे 1.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज हुई है। अधीक्षक भू-अभिलेख श्रीमती कृष्णा रावत ने बताया कि सर्वाधिक वर्षा विदिशा तहसील में 10 मिमी और सबसे कम कुरवाई में 1.2 मिमी दर्ज हुई है। इसके अलावा गुलाबगंज में तीन मिमी एवं शमशाबाद तहसील में दो मिमी वर्षा दर्ज हुई है शेष अन्य तहसीलो में वर्षा नगण्य रहीं।

कर्मचारी निधन पर आश्रित को 15 लाख की मदद जारी

सिरोंज। लोकसभा निर्वाचन 2024 के दौरान सिरोंज जनपद पंचायत के सहायक लेखा अधिकारी पवन श्रीवास्तव की निर्वाचन कर्तव्य सहायक व्यय प्रेक्षक दायित्वों के निर्वहन दौरान हृदय गति रूक जाने से मृत्यु हो जाने के कारण मप्र के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा अनुग्रह सहायता राशि 15 लाख रुपए के भुगतान की स्वीकृति प्रदान की गई थी। जिसे कलेक्टर अंशुल गुप्ता के आदेश पर मृतक की पत्नि के बैंक खाते में जमा कराए।

पौधरोपण कर कहा प्राकृति की अनुपम उपहार है जैव विविधता

जैव विविधता दिवस पर ईको सिस्टम के प्रति किया जागरूक

तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

गुरुवार को अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर प्रकृति प्रेमी यूथ ने पौधरोपण किया और आमजनों को जैव विविधता के बारे में बताते हुए संरक्षण करने के लिए प्रेरित किया। यूथ ने कहा कि प्रकृति का अनुपम उपहार जैव विविधता है। हम धरती मां और पर्यावरण को बनाए रखने के लिए एक छोटा सा प्रयास कर सकते हैं जीवन सिर्फ इस धरा पर ही संभव है, लेकिन हम खुद उसे नष्ट कर रहे हैं। जिसका खामियाजा सभी को भुगतना पड़ रहा है गुरुवार को को वन परिक्षेत्र के अधिकारियों से लेकर युवाओं ने भी जैव विविधता दिवस मनाया और लोगों को जागरूक किया। पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली और जैव विविधता के संरक्षण में अहम भूमिका निभाने की बात कही है

क्या बोले अफसर

वन परिक्षेत्र अधिकारी नीरज पांडेय कहते हैं कि खुद को विकसित प्राणी कहने वाला मनुष्य आज अपनी जरुरतों को पूरा करने के लिए लगातार विविधता जैव को नुकसान पहुंचा रहा है जिससे इस धरा के ईको सिस्टम पर संकट गहराता जा रहा है। लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए 22 मई को अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया जाता है इसलिए इस जैव विविधता दिवस पर लोगों को जागरूक किया जा रहा है कि वह पेड़ पौधों को लगाए और पर्यावरण बचाएं

-नीरज पांडेय
वन परिक्षेत्र अधिकारी तेजगढ़

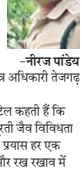

रेंजर मेघा पटेल कहती हैं कि प्रकृति की खूबसूरती जैव विविधता से है हम सभी का प्रयास हर एक चीज के बचाव और रख रखाव में होना चाहिए, ताकि पर्यावरण का संतुलन बना रहे इसलिए सभी को मिलकर जैव विविधता के प्रति जागरूक होना पड़ेगा

- मेघा पटेल
वन परिक्षेत्र अधिकारी तेंदूखेड़ा

उपज मंडी में फिर फसल चोरी और किसान से अभद्र व्यवहार का मामला आया सामने

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

नगर की कृषि उपज मंडी में फसल चोरी के मामले रुकने का नाम नहीं ले रहा है इसके कारण वैसे ही बहुत कम संख्या में किसान यहां पर फसल लेकर आते हैं यदि यही हालात रहे तो मंडी में किसानों का आना ही बंद हो जाएगा मंडी सचिव से लेकर अधिकारी कर्मचारी चोरी रोकने के लिए धरातल पर कोई काम नहीं करें इस वजह से चोरियां बढ़ रही है। अब तो कई हम्मलो के हौसले ज्यादा बुलंद हो गए हैं किसानों के साथ गलत व्यवहार से लेकर मारपीट तक करने लगते हैं।

इसी तरह का एक मामला गुरुवार को सामने आया इसमें रक्सौल के कृषक कम्मोद सिंह राजपूत मंडी में चना भेजने के लिए लाये जिसको 176 नंबर के लाइसेंस व्यापारी ने खरीदा जैसे ही वह अपनी फसल फॉर्म पर तुलवाने के दौरान चने से भरा हुआ बोर हम्मल ने गायब कर जिसको किसान देख लिया पहले तो किसान को ही खरीफ और सुनते उसके साथ गलत व्यवहार करने लगे इसके बाद कृषक ने व्यापारी के अलावा और किसानों को बुला लिया तो हम्मल को एहसास हुआ कि आप करवाई

होगी तो किस को बुरा लौट के लिए तैयार किसान ने मंडी अध्यक्ष के नाम शिकायती आवेदन भी मंडी में दिया है इसके बाद एसडीएम हर्षल चौधरी चौधरी ने जांच के बाद कार्रवाई करने की बात कही और कहा कि मंडी में अनाज चोरी के संबंध में आज एक बैठक लेकर मंडी सचिव से लेकर स्टाफ को भी निर्देश देंगे कि अनाज चोरी नहीं होने चाहिए।

उपार्जन में अनियमित्ताओं पर कार्यवाही

सिरोंज। विदिशा चना, मसूर एवं सरसो उपार्जन कार्यो में अनियमित्ताएं पाए जाने पर संबंधित वेयर हाउसो के खिलाफ कार्यवाही की गई हैं किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के उप संचालक श्री केएस खपडिया ने बताया कि दो मई को उपार्जन केन्द्र सेवा सहकारी समिति जुन्हैयाखेडी सालाशर वेयर हाउस का नाफेड के प्रतिनिधि एवं सुपरवाईजर द्वारा निरीक्षण किया। जिसमे वेयर हाउस पर स्टेक क्रमांक 10 एवं 17 एफएक्यू पैरामीटर से अधिमात्रा में कंकड, रेत मिट्टी पाई गई थी जो नॉन एफएक्यू मात्रा थी। उप संचालक कृषि एवं जिला आपूर्ति अधिकारी के द्वारा जांच की गई जांच प्रतिवेदन के आधार पर गोदाम के स्टेक क्रमांक 10 एवं 17 में बाह्य पदार्थ मिट्टी, डंठल एवं अन्य पदार्थो की मात्रा एफएक्यू मीटर से अधिक पाए जाने पर संबंधित समिति प्रबंधक वेयर हाउस को आगामी एक वर्ष के लिए ब्लेकलिस्ट किए जाने एवं गुणवत्ता सर्वे के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। उप संचालक खपडिया ने बताया कि इसी प्रकार 16 मई को नाफेड प्रतिनिधि जिला विपणन अधिकारी एवं अन्य अधिकारियों के द्वारा श्रीनाथ वेयर हाउस का निरीक्षण किया गया जिसमें दो ढेर लगभग सौ-सौ कुंटल के रेत मिलाकर तुलाई की जा रही थी। ततसंबंधी जानकारी सोशल मीडिया में प्रकाशित होने पर श्रीनाथ वेयर हाउस पर छह सौ क्विटल मसूर में रेत की मिलावट की गई है उक्त वेयर हाउस में पहुँचकर जिला उपार्जन समिति के सदस्यो द्वारा श्रीनाथ वेयर हाउस का निरीक्षण किया किया। निरीक्षण दौरान गोदाम में भण्डारित स्टेको का परीक्षण किया गया जिसमें से किसी भी स्टेक में रेत नहीं पाई गई साथ ही दोनो ढेर मिट्टी एवं बाहय पदार्थ की मात्रा अधिक होने के कारण सर्वेयर द्वारा ऑन लाइन रिजेक्ट किया गया। सोशल मीडिया में रेत मिलाने की खबर पूर्णतः सत्य पाई गई लेकिन गोदाम के अन्दर नॉन एफएक्यू की मात्रा स्टेक क्रमांक 32 एवं 33 में पाए जाने के कारण श्रीनाथ वेयर हाउस सेवा सहकारी समिति सियालपुर को आगामी एक वर्ष के लिए ब्लेकलिस्टेड किए जाने एवं गुणवत्ता सर्वेयर के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

मेट्रो एंकर ट्रकों में डीजे बांध कर चलाने वाले वाहनों के विरुद्ध भी कार्यवाई की

कलेक्टर के निर्देश पर वाहनों की जांच कार्यवाही में 73500 शमन शुल्क वसूला

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर अंशुल गुप्ता के द्वारा यात्री वाहनों तथा स्कूल वाहनों की जांच के लिए चेकिंग अभियान चलाए जाने के निर्देशों के अनुपालन में आज गुरूवार को जिला परिवहन अधिकारी श्री गिरजेश वर्मा द्वारा शमशाबाद के महानीम चौराहा पर वाहनों की चेकिंग कार्यवाही यातायात पुलिस के सहयोग से की है।

जिला परिवहन अधिकारी श्री वर्मा ने बताया कि उक्त कार्यवाही

के दौरान 18 वाहन नियम विरुद्ध चलते पाए जाने के कारण उनके विरुद्ध चालानी कार्यवाही की जाकर उनमें से 15 वाहनों से शमन शुल्क 73500 रूपए वसूल किए गए हैं तथा शेष 03 अन्य वाहन प्रकरण निराकरण की प्रत्याशा में जप्त कर पुलिस थाना शमशाबाद एवं जिला परिवहन कार्यालय परिसर में सुरक्षार्थ रखे गए हैं।

उक्त कार्रवाई के दौरान विशेष रूप से यात्री वाहनों में पात्रता से अधिक सवारियों का परिवहन किया जाना तथा वाहनों के वैद्य प्रपत्र जांच किए जाने की कार्रवाई की गई। कलेक्टर के निर्देशानुसार इस कार्रवाई के दौरान ट्रकों में डीजे बना कर चलने वाले वाहनों के विरुद्ध भी कार्रवाई की गई है। जिसमें दो डीजे वाहन नियम विरुद्ध संचालित होते पाए जाने के कारण उनके विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गयी।

इसके अतिरिक्त शमशाबाद के विभिन्न स्कूलों में जाकर उनके परिसर में खड़ी स्कूल बसों की जांच की गई। जिन वाहनों के प्रपत्र पूर्ण नहीं हैं उनके प्रपत्र पूर्ण कराए बगैर वाहन का संचालन न

सड़क पार कर रहे गार्ड को बाइक सवार ने मारी टक्कर, मौत

भोपाल। चूनाभट्टी थाना क्षेत्र स्थित अक्षय अस्पताल के पास गुरुवार रात सड़क पार कर रहे गार्ड को बाइक सवार ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद गार्ड को अस्पताल ले जाया गया, वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। हादसे में टक्कर मारने वाले बाइक सवार को भी चोट आई है। अक्षय हार्ट अस्पताल के पास हुआ हादसा, बाइक सवार घायल उसका इलाज चल रहा है। पुलिस के अनुसार विनोद तागड़े पिता नामदेव तागड़े (50) झुग्गी ओम नगर कोलार में रहते थे। वे चूनाभट्टी इलाके में गार्ड की नौकरी करते थे। गुरुवार रात करीब 9 बजे वह ड्यूटी पर थे और अक्षय अस्पताल के पास सड़क पार कर रहे थे, तभी तेज रफ्तार बाइक सवार ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बाइक सवार और विनोद तागड़े सड़क पर गिर गए थे। दोनों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, वहां देर रात करीब एक बजे विनोद की मौत हो गई।

मां की साड़ी का फंदा बनाकर लगाई फांसी

भोपाल। बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित शीतल नगर कॉलोनी में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजन ने उसकी लाश कमरे में पंखे पर साड़ी के सहारे लटकी देख पुलिस को सूचना दी थी। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस ने बताया कि रोहित मीणा पिता प्रेम सिंह मीणा (25) शीतल नगर कॉलोनी में रहता था। वह बेरोजगार था, जबकि पिता खेती किसानी करते हैं। पिता ने बताया कि रोहित शराब पीने का आदी था। शुक्रवार सुबह उसकी लाश कमरे में साड़ी के फंदे पर लटकी देखी थी। पुलिस को घटनास्थल से सुसाइड नोट नहीं मिला है।

चरित्र संदेह में पत्नी पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला

भोपाल। तेंदुपत्ता बीनने गए थे दंपती, जंगल में सिर पर मारी कुल्हाड़ी मारकर फरार हुआ आरोपी पति भोपाल। सूखी सेवनिया थाना क्षेत्र स्थित जीतगढ़ शिव मंदिर के पीछे जंगल में दंपती के बीच हुई कहासुनी के बाद पति ने पत्नी पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। कुल्हाड़ी पत्नी को सिर में पीछे की तरफ लगी है। उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने आरोपी पति पर हत्या के प्रयास

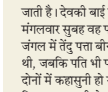

का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार देवकी बाई पति छगनलाल यादव (42) गांव सूखी में रहती है और पति के साथ जंगल में तेंदु पत्ता बीनने जाती है। देवकी बाई ने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि मंगलवार सुबह वह पति के साथ जीतगढ़ शिव मंदिर के पीछे जंगल में तेंदु पत्ता बीनने गई थी। करीब 11 बजे वह पत्ते बीन रही थी, जबकि पति भी पास ही था और पत्ते बीन रहा था। इस दौरान दोनों में कहासुनी हो गई। कहासुनी बढ़ने पर छगन लाल ने पत्नी के सिर पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। हमला करने के बाद वह मौके से भाग निकला। देवकी बाई का बेटा प्रतिदिन 11 बजे तक जंगल पहुंच जाता था। घटना के दिन वह 12 बजे जंगल पहुंचा तो उसने मां को घायल पड़ा देखा था। इसके बाद अस्पताल लेकर पहुंचा, वहां देवकी बाई का इलाज चल रहा है।

ओवर स्पीड होने के कारण कार के उड़े परखच्चे, कार से बाहर उछलकर गिरे सवार

तेज रफ्तार कार पेड़ से टकराई 3 की मौत, चौथा गंभीर घायल

भोपाल, टोपहर मेट्रो

खजूरी सड़क थाना क्षेत्र स्थित भोपाल-इंदौर हाइवे पर एचपी पेट्रोल पंप के पास टर्निंग पाइंट पर गुरुवार- शुक्रवार की दरमियानी रात तेज रफ्तार कार पेड़ में जा घुसी। हादसे के समय कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि पेड़ से टकराते ही कार के परखच्चे उड़ गए। इस हादसे में कार सवार तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चौथा युवक घायल हुआ है। उसकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार विशाल दबी पिता राजू दबी (25) शंकर मंदिर के पास आरा मशीन रोड बैरागढ़ में रहता था और कपड़े की दुकान में काम करता था। उसके साथ कार में पंकज सिसोदिया (25) निवासी आरा मशीन रोड बैरागढ़ और प्रीत आहूजा सहित राहुल कनाडे (25) थे। सभी हम उम्र थे और उनमें दोस्ती थी। प्रीत आहूजा के भाई कमलेश आहूजा की बैरागढ़ में कपड़े की दुकान है और कार कमलेश आहूजा की ही थे। प्रीत आहूजा कार चला रहा था और

विशाल, पंकज और राहुल कनाडे को लेकर सीहोर गया था। सीहोर से खाना खाकर सभी लौट रहे थे, तभी एचपी पेट्रोल पंप, फॉर्च्यून होटल की टर्निंग पाइंट पर उनकी कार सड़क किनारे लगे पेड़ में जा घुसी। बताया जाता है कि कार ओवर स्पीड होने के कारण पेड़ में टक्कर लगते ही अंदर बैठे तीन लोग उछलकर बाहर गिरे थे, जिनमें दो लोगों की मौत हो गई, वहीं तीसरे युवक की लाश कार के अंदर फंसी मिली। हादसे में राहुल कनाडे को चोट आई है और उसका इलाज चल रहा है।

राहगीरों ने पुलिस और एंबुलेंस पर लगाए आरोप

देर रात वहां से गुजर रहे लोगों ने हादसा देख पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी थी। लोगों ने वहां खड़े होकर वीडियो भी बनाए। लोगों का कहना है कि हाद108 एंबुलेंस को दी थी। करीब 45 मिनट बाद एंबुलेंस पहुंची, जबकि पुलिस नहीं पहुंच सकी थी। तीन बजे के आसपास एक पुलिसकर्मी पहुंचा था। इसके बाद अन्य पुलिसकर्मी आए और निरीक्षण किया। हादसे के बाद करीब एक घंटे तक शव कार में और आसपास पड़े रहे। घायल को पहले ही अस्पताल पहुंचा दिया गया था। एंबुलेंस देरी पहुंची और उसमें मौजूद कर्मचारी ने लाश ले जाने से मना कर दिया।

31 को पीएम भोपाल में, सुरक्षा समेत कई व्यवस्था संभालेंगी महिलाएं

आने जाने वालों पर रखी जा रही है नजर
शहर भर में हो रहा है किरायेदारों का वेरिफिकेशन

भोपाल, टोपहर मेट्रो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 31 मई को राजधानी के जंबूरी मैदान में देवी अहिल्या बाई होलकर की 300 वीं जयंती पर आयोजित भव्य महिला सम्मेलन में शामिल होंगे। इस कार्यक्रम की सबसे बड़ी खासियत यह होगी कि इसमें सुरक्षा व्यवस्था से लेकर मंच संचालन तक, सभी व्यवस्थाएं महिलाओं के हाथों में होंगी। इस कार्यक्रम को लेकर व्यवस्थाएं और तैयारियां भी शुरु हो चुकी है। इसे लेकर भोपाल पुलिस कमिश्नर हरिनारायण चारी मिश्रा ने गुरुवार को कंट्रोल रूम में अधिकारियों के साथ बैठक भी की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में करीब 3 हजार से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे इनमें कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी महिला अधिकारियों संभालेंगी। हालांकि पूरी सुरक्षा व्यवस्था एसपीजी के अंतर्गत रहेगी। इसके लिए भोपाल पुलिस और एसपीजी ने प्लान भी बनाना शुरु कर दिया है। पूरे कार्यक्रम स्थल को एसपीजी अपने घेरे में लेगी। पांच किलोमीटर के दायरे में ड्रोन और अन्य उड़ने वाली वस्तुएं प्रतिबंधित रहेंगी। शहर के बाहरी इलाकों से आने वालों की जांच की जा रही है, वहीं होटल और लॉज की भी चेकिंग हो रही है। खास बात यह है कि ट्रैफिक, सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन की जिम्मेदारी महिला पुलिस कर्मियों के पास होगी। अब तक की जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भोपाल में 1 घंटे का कार्यक्रम रहेगा।

सम्मेलन में होगा महिलाओं का अभिनंदन - सम्मेलन में 2 लाख से ज्यादा महिलाओं के शामिल होने की संभावना है। इस दौरान राज्य सरकार की महिला सशक्तिकरण योजनाओं की झलक भी प्रस्तुत की जाएगी। मंच का संचालन, अतिथियों का स्वागत और कार्यक्रम प्रबंधन महिलाएं ही करेंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकमाता देवी अहिल्या बाई होलकर को समर्पित डाक टिकट और विशेष सिक्के का विमोचन करेंगे। यह श्रद्धांजलि उनके सामाजिक सुधार और समावेशी शासन की याद दिलाएगी।

बीजेपी चलाएगी विशेष जनजागरण अभियान

प्रधानमंत्री के दौरे से पहले बीजेपी 21 से 31 मई तक 'विकास भी, विरासत भी' अभियान चलाएगी। इसमें देवी अहिल्या बाई के जीवन मूल्यों, सुधारों और सरकार की योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने का काम किया जाएगा।

फरार निगरानी बदमाश से चोरी का आटो बरामद

भोपाल, टोपहर मेट्रो

शाहजहांनाबाद पुलिस ने चैकिंग के दौरान एक निगरानी बदमाश को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी का आटो बरामद किया है। बदमाश के खिलाफ शहर के विभिन्न थानों में करीब तीन दर्जन अपराध पहले से दर्ज हैं। निशातपुरा थाने में दर्ज मामले में बदमाश के खिलाफ स्थाई वारंट जारी थे।

जानकारी के अनुसार गुरुवार को पुलिस द्वारा इलाके में वाहनों की चैकिंग की जा रही थी। इसी दौरान एक आटो चालक निकला तो पुलिस ने उसे रोक लिया। पूछताछ करने पर चालक ने अपना नाम सलमान खान उर्फ काला (30) निवासी नारियलखेड़ा थाना गौतम नगर बताया। आटो के बारे में पूछताछ करने पर सलमान ने पहले तो पुलिस को गुमराह करने का प्रयास किया, लेकिन कागजात चैक करने पर पता चला कि उक्त आटो चोरी का है, जिसकी रिपोर्ट शाहजहांनाबाद थाने में दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से उक्त आटो बरामद कर उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के थाना निशातपुरा में लंबित स्थाई वारंट में फरार होने की सूचना मिलने पर उसे लंबित स्थाई वारंट में भी गिरफ्तार किया गया है। आरोपी से अन्य आपराधिक मामलों में पूछताछ के बाद उसे न्यायालय में पेश किया जाएगा।

मेट्रो एंकर आटो चालक समेत तीन गिरफ्तार, एक फरार आरोपी की तलाश

सूटकेस से जेवरात चुराने वाला गिरोह चढ़ा पुलिस के हत्थे

भोपाल, टोपहर मेट्रो

आटो में सफर के दौरान महिलाओं के सूटकेस के जेवरात चोरी करने वाले एक चार सदस्यीय गिरोह का पुलिस ने खुलासा किया है। इस मामले में एक आटो चालक समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। सभी आरोपी योजना बनाकर सवारियों को अपना निशाना बनाते थे।

पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से साढ़े तीन लाख रुपये का माल बरामद किया गया है। कमला नगर पुलिस ने बताया कि फरियादी दुर्गा द्विवेदी (55) अम्बेडकर नगर में रहती हैं और गृहणी हैं। पिछले दिनों वह अपनी बेटी और नातिन के साथ भाभी के यहां सतना एक कार्यक्रम में शामिल होने गई थी। बीती सोलह मई को सतना से भोपाल लौटी।

रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर उतरने के बाद घर जाने के लिए

उन्होंने एक आटो किराए पर लिया। आटो में चालक समेत तीन लोग पहले से बैठे हुए थे। घर पहुंचने के बाद उन्होंने अपना सामान उतारा। बाद में देखा तो सूटकेस की चैन टूटी हुई थी और सूटकेस में रखे करीब साढ़े तीन लाख रुपये के जेवरात गायब थे।

दुर्गा ने परिवार वालों के साथ आटो चालक की तलाश की, लेकिन जब वह नहीं मिला तो थाने जाकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। सीसीटीवी कैमरों से मिला आटो का सुराग जांच के दौरान पुलिस ने रेलवे स्टेशन से अम्बेडकर नगर तक करीब 200 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले और उनका रूटमैप तैयार किया।

उसके बाद एक संदेही आटो का पता चला, जिसके बाद पुलिस ने नासिर उर्फ सूटकेस उर्फ नासिरउद्दीन (55) निवासी कबीटपुरा, अब्दुल कलाम अंसारी (33) निवासी बाग फरहत अफ्जा और मतीन खान (45) निवासी कबीटपुरा को गिरफ्तार किया।

तीनों आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए जेवरात और वारदात में उपयोग किया गया आटो जब्त किया गया है। इस गिरोह का एक साथी माजिद गोल्डन अभी फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

यह गिरोह योजना बनाकर महिला सवारियों को अपने आटो में बिठाता था और रास्ते में सूटकेस और बैग की चैन खोलकर जेवरात चोरी कर लेता था। सभी आरोपियों के खिलाफ पूर्व से दर्जनों अपराध दर्ज हैं।

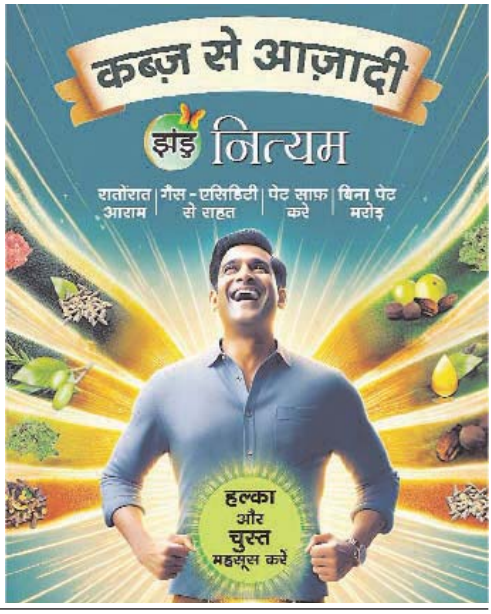

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश सिरोठिया द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया
संपादक आशीष दुबे * आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/67749 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन : 0755-4917524, 2972022